WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

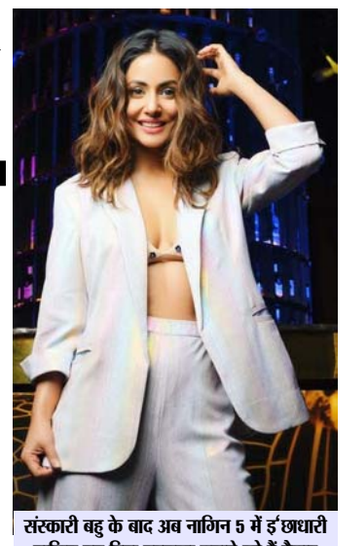

संस्कारी बहु के बाद अब नागिन 5 में इंछाधारी नागिन बन हिना तहलका मचाने को हैं तैयार

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 224 | लखनऊ, शुक्रवार, 31 जुलाई, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कोरोना प्रभावित व्यक्तियों को सभी सुविधाएं मिले:योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 से प्रभावित व्यक्तियों को सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए धन की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जनपदों में इसके लिए अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि 25 लाख से कम जनसंख्या वाले जनपदों को 3 करोड़ रुपये तथा 25 लाख से अधिक आबादी वाले जिलों को 5 करोड़ रुपये उपलब्ध कराये जाएं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर कोविड-19 की उपचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए इस धनराशि का व्यय जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी की कमेटी की संस्तुति पर किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति को कोविड चिकित्सालय में बेड उपलब्ध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एल-2 तथा एल-3 कोविड अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में बेड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी कोविड अस्पतालों में सीनियर डॉक्टरों द्वारा राउण्ड लिया जाए। कोविड चिकित्सालयों में ऑक्सीजन सहित सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ अस्पताल की श्रेणी के आधार पर वेन्टिलेटर की भी

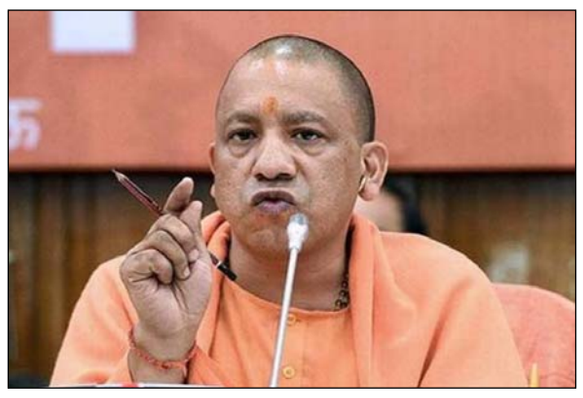

व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। होम आइसोलेशन के मरीजों की मॉनीटरिंग के लिए तकनीक का उपयोग किया जाए। मेडिकल टेस्टिंग में और वृद्धि करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिदिन एक लाख से अधिक टेस्ट निरन्तर किये जाएं। आर0टी0पी0सी0आर0 से 40 हजार टेस्ट तथा रैपिड एण्टीजन टेस्ट विधि से 65 हजार टेस्ट प्रतिदिन किये जाएं। मुख्यमंत्री ने निदेशक, एस0जी0पी0जी0आई0 को कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, बरेली, झांसी तथा गोरखपुर के मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भेजने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इन जनपदों में कोविड-19 की उपचार व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास किये जाएं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के भ्रमण के दौरान सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल, सीनियर फैकल्टी, कोविड अस्पतालों के प्रभारी डिप्टी सी0एम0ओ0 तथा वेन्टिलेटर संचालक उपस्थित रहेंगे। उन्होंने जनपद लखनऊ में आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के लिए एक टीम के गठन के भी निर्देश दिये हैं। यह कोविड चिकित्सालयों का भ्रमण कर इन अस्पतालों की चिकित्सा व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त करेगी तथा आवश्यकतानुसार अन्य प्रबन्ध भी सुनिश्चित कराएगी। मुख्यमंत्री ने महानिदेशक, स्वास्थ्य को प्रत्येक कोविड अस्पताल के प्रभारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी से एवं महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा को प्रत्येक मेडिकल कॉलेजों के प्रिंसिपल से निरन्तर संवाद बनाये रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग, डोर टू डोर सर्वे कार्य तथा कोविड संक्रमण की दृष्टि से संदिग्ध लक्षणों वाले व्यक्तियों के एण्टीजेन टेस्ट की व्यवस्था का प्रभावी संचालन जारी रखा जाए। प्रत्येक जनपद में एल-2 कोविड अस्पताल स्थापित किया जाए। इस कार्य के लिए एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि '108' एम्बुलेंस सेवा की 50 प्रतिशत एम्बुलेंस कोविड मरीजों के लिए तथा शेष 50 प्रतिशत नॉन-कोविड मरीजों के लिए उपयोग की जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोविड कार्य में लगी एम्बुलेंस को कोविड प्रकरणों में ही इस्तेमाल किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि एम्बुलेंस कर्मियों को वेतन, मास्क, ग्लव्स आदि की समस्या नहीं आनी चाहिए। उन्होंने सर्विलान्स कार्य हेतु आवश्यकतानुसार वाहनों की व्यवस्था किये जाने के भी निर्देश दिये।

संक्षिप्त समाचार

मोदी कर रहे हैं देश को बर्बादः राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कड़ा हमला करते हुए कहा है कि देशवासियों को उनके नोटबंदी जैसे कदम की भारी कीमत चुकानी पड़ी है और उनकी नीतियों के कारण देश बर्बाद हो रहा है। श्री गांधी ने गुरुवार को कहा मोदी देश को बर्बाद कर रहे हैं। नोटबंदी, जीएसटी, कोरोना महामारी में दुर्व्यवस्था तथा अर्थव्यवस्था और रोज़गार का सत्यानाश। उनके पूंजीवादी मीडिया ने एक मायाजाल रचा है। ये भ्रम जल्द ही टूटेगा। इसके साथ ही श्री गांधी ने एक खबर पोस्ट की है जिसमें कहा गया है कि सरकार ने संसदीय समिति को बताया कि कोरोना और लॉकडाउन के चलते देश में करीब दस करोड़ नौकरियों पर ख़तरा पैदा हो गया है।

रोहन जेटली को अध्यक्ष पद के लिए समर्थन देगा सी के खन्ना ग्रुप

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के आगामी चुनाव में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष ड सी के खन्ना के ग्रुप ने रोहन जेटली को अध्यक्ष पद के लिए समर्थन देने का फैसला किया है। सी के खन्ना ग्रुप के प्रवक्ता और डीडीसीए के पूर्व निदेशक मंजीत सिंह ने बताया कि रोहन जेटली के साथ हुई कुछ बैठकों के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि उनके पास क्रिकेट और डीडीसीए के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण और योजना है। उनके दृष्टिकोण और योजनाओं को सुनने के बाद ग्रुप को यह विश्वास हो गया कि अध्यक्ष पद के लिए रोहन जेटली एक आदर्श और उपयुक्त उम्मीदवार हैं। कोषाध्यक्ष पद के लिए ग्रुप ने श्रीमती शशि खन्ना को मैदान में उतारने का फैसला किया है। चार निदेशकों (सदस्य अपेक्स काउन्सिल) के पदों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

बिहार में 1 से 16 अगस्त तक लॉकडाउन, सिर्फ गांवों को दी गई है छूट

पटना, एजेंसी। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच बिहार सरकार ने राज्य में लॉकडाउन के लिए नई गाइडलाइंस जारी कर दी है। इसके तहत राज्य मुख्यालय, जिला मुख्यालय, ब्लॉक मुख्यालय और नगरपालिका के अंतर्गत आने वाले इलाकों में एक अगस्त से 16 अगस्त तक लॉकडाउन लागू रहेगा। हालांकि इस दौरान गांवों को छूट दी गई है। बिहार सरकार के गृह विभाग ने इस संबंध में गुरुवार को नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। गृह विभाग के आदेश के मुताबिक, राज्य सरकार, केंद्र सरकार और पब्लिक सेक्टर के कार्यालय 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ खुल सकेंगे। हालांकि जिन कार्यालयों को पहले से 100 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ खोलने की इजाजत मिली हुई है, वह जारी रहेगी।

चीन बोला, हमने नहीं भारतीयों ने पार किया बॉर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों के बीच सैन्य और राजनयिक स्तर पर वार्ता चल रही है। उधर, भारत की ओर से साफ कहा जा चुका है कि भारत शांति के लिए एकतरफा प्रयास नहीं करेगा, दोनों देशों को साझा प्रयास करना होगा। हालांकि, भारत ने युद्ध की स्थिति से निपटने के लिए भी सारी तैयारी कर ली है। बुधवार को देश में फाइट जेट राफेल का पहला बैच भी पहुंच गया है। भारत की इन तैयारियों के बीच भारत में चीन के राजदूत सुन वेदोंग ने बयान जारी कर कहा है कि यादातर इलाकों में दोनों देशों के सैनिक पीछे हट चुके हैं और जमीन पर तनाव कम हो रहा है। चीनी राजदूत ने गुरुवार को कहा कि एलएसी पर यादातर जगहों पर दोनों देशों के सैनिक पीछे हट चुके हैं और जमीनी स्तर पर तनाव घट रहा है।

उप्र व केरल की दो राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव 24 अगस्त को

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के सांसद बेनी प्रसाद वर्मा और केरल से राज्यसभा सदस्य एमपी वीरेंद्र कुमार के निधन के कारण रिक्त हुई दो सीटों पर उपचुनाव 24 अगस्त को होंगे इसके अलावा आंध्रप्रदेश विधान परिषद के सदस्य एम वी रमना राव के इस्तीफे से रिक्त सीट के लिए उपचुनाव भी 24 अगस्त को होंगे। चुनाव आयोग ने गुरुवार को यहां जारी विज्ञप्ति में कहा है कि इन दोनों सीटों के उपचुनाव के लिए छह अगस्त को अधिसूचना जारी की जाएगी जबकि 13 अगस्त को नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे और नामांकन पत्रों की जांच 14 अगस्त को होगी । इसके बाद 17 अगस्त तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे । आंध्र प्रदेश विधान परिषद के उपचुनाव भी इसी कर्यक्रम के तहत होंगे। श्री राव ने एक जुलाई को इस्तीफा दिया था। उनका कार्यकाल 29 मार्च 2023 तक था। विज्ञप्ति के अनुसार उपचुनाव के लिए मतदान 24 अगस्त को होगा और मतगणना उसी दिन शाम 5ः00 बजे शुरू होगी तथा चुनावी प्रक्रिया 26 अगस्त तक समाप्त हो जायेगी। गौरतलब है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सदस्य बेनी प्रसाद वर्मा का इस वर्ष 27 मार्च को निधन हो गया था जबकि एमपी वीरेंद्र कुमार का निधन 28 मई को हो गया था। श्री वर्मा का कार्यकाल दो अप्रैल 2022 तक था जबकि श्री कुमार का कार्यकाल चार जुलाई 2022 तक था।

यूपी में कोरोना से एक दिन में 57 मौतें

संक्रमण के 3,705 नए मामले

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के 3,705 नए मामले सामने आए, जबकि 57 और मौतों के साथ इस संक्रमण से जान गंवाने वालों का आंकड़ा बृहस्पतिवार को 1,587 हो गया। प्रदेश में मौत के 57 मामले किसी एक दिन में मृतकों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। संक्रमण के 3,705 मामलों का आंकड़ा भी एक दिन में सर्वाधिक है। अपर मुख्य सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 3,705 नए मामले सामने आए जबकि 57 लोगों की मौत हो गई। प्रसाद ने बताया कि अब तक कुल 46, 803 लोग पूरी तरह होकर अस्पतालों से घर जा चुके हैं। संक्रमण के उपचाराधीन मामलों की संख्या 32, 649 है, जबकि कोरोना संक्रमण की

वजह से कुल 1,587 लोगों की जान गयी है। उन्होंने बताया कि पृथक वार्डों में 32, 652 लोग हैं, जिनका विभिन्न चिकित्सालयों एवं मेडिकल कालेजों में उपचार किया जा रहा है । पृथकवास केन्द्रों पर 2,938 लोग हैं, जिनके नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि उपचाराधीन मामलों में से 7,198 लोग घर में पृथक-वास में हैं जबकि 1,112 लोग निजी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब से गृह पृथक-वास की व्यवस्था शुरू की गयी है, तब से बहुत से लक्षणमुक्त रोगी इसका लाभ उठा रहे हैं। प्रसाद ने बताया कि जो समय से संक्रमण की जांच करा लेते हैं और समय से अपनी चिकित्सा शुरू करा लेते हैं, उन्हें इस संक्रमण से कोई परेशानी नहीं देखी जा रही है लेकिन जो बीमारी छिपाते हैं, लक्षण आने के बाद भी जांच नहीं कराते, जो बहुत विलंब से आते हैं, उनमें जटिलताएं उत्पन्न होती हैं और कभी-कभी किसी मरीज की मृत्यु भी हो जाती है। उन्होंने ठीक हो चुके लोगों से अनुरोध किया कि वे अन्य लोगों को इस बीमारी के बारे में समझायें। प्रसाद ने बताया कि बुधवार को प्रदेश में 88, 967 नमूने जांचे गये, जिनमें से 51, 484 एंटीजन टेस्ट थे । अब तक 22, 09, 810 नमूनों की जांच की जा चुकी है। जांच शुरू होने से 24 जून तक चार महीने में छह लाख नमूनों की जांच हुई थी।

देश में कोरोना से 10 लाख से अधिक मरीज हुए ठीक

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में अब तक कोरोना वायरस 'कोविड-19' से 10 लाख से अधिक लोग स्वस्थ हो चुके हैं और कुल सक्रिय मामलों की संख्या इस समय पांच लाख से अधिक है जो देश के बेहतर चिकित्सकीय प्रबंधन और इस विषाणु को नियंत्रित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ओएसडी) राजेश भूषण ने गुरुवार को संवाददाताओं को बताया कि देश में चार जून को कोरोना के स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या एक लाख से अधिक थी और दो जुलाई को बढ़कर यह 3,47978 हो गई थी और 30 जुलाई को कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 10,20582 हो गई है जो एक बहुत ही सकारात्मक उपलब्धि है। इसका श्रेय देश के हजारों चिकित्सकों और नर्सों और स्वास्थ्य स्टाफ को जाता है जिन्होंने कोरोना से निपटने में अपनी जान की परवाह भी नहीं की। देश में बहुत सीमित संसाधन होते हुए भी इस उपलब्धि को हासिल किया जाना अपने आप में बड़ी बात है। उन्होंने बताया कि देश में जुलाई माह में दैनिक आधार पर ठीक होने वाले मरीजों की संख्या में भी इजाफा दर्ज किया गया है और एक से पांच जुलाई तक प्रतिदिन औसतन 14852 मरीज ठीक हो रहे थे और 11 से 15 जुलाई तक यह आंकड़ा बढ़कर 19303 हो गया था तथा 26 से 30 जुलाई के दौरान यह आंकड़ा 34230 मरीज प्रतिदिन हो गया है।

सुशांत की मौत की सीबीआई जांच संबंधी याचिका खारिज

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने के निर्देश देने संबंधी याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय खंडपीठ ने अलका प्रिया की जनहित याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि पुलिस को अपना काम करने दीजिए। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि सुशांत सिंह राजपूत ने जनहित में अनेक काम किये थे। उन्होंने बच्चों को अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा भी भेजा था। इस पर न्यायमूर्ति बोबडे ने कहा कि इस बात से जनहित याचिका का कोई लेनादेना नहीं है कि कोई व्यक्ति अच्छा था या खराब? यह अधिकार क्षेत्र का मसला है। यदि याचिकाकर्ता के पास इस मामले में कुछ पुख्ता तथ्य रखने के लिए है तो वह बॉम्बे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकती हैं।

रक्षा सौदे मामला

जेटली की सजा पर लगी रोक

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा सौदे भ्रष्टाचार के एक मामले में विशेष अदालत से चार साल की सजा पाने वाली समता पार्टी की पूर्व अध्यक्ष जया जेटली को गुरुवार दिल्ली उच्च न्यायालय से उस समय बड़ी राहत मिली जब न्यायालय ने सजा पर रोक लगा दी। उच्च न्यायालय ने जया जेटली की सजा पर रोक लगाने के साथ ही सजा को चुनौती देने वाली याचिका का पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जबाव मांगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने आज ही जया जेटली और उनकी पार्टी के पूर्व सहयोगियों गोपाल पचेरलवाल और मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) एसपी मुरगई को 20 साल पुराने रक्षा सौदा भ्रष्टाचार मामले में 4-4 साल कैद की सजा सुनाई है। श्रीमती जया जेटली ने विशेष अदालत की सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। सीबीआई ने विशेष अदालत से दोषियों को अधिकतम सात साल जेल की सजा देने का बुधवार को अदालत से अनुरोध किया था। सीबीआई अदालत के विशेष न्यायाधीश वीरेन्द्र भट ने सुनवाई के बाद आज तक के लिए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में एक अन्य आरोपी सुरेंदर कुमार सुरेखा बाद में गवाह बन गया था। अदालत ने सजा के अलावा तीनों पर 1-1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है और दोपहर तीन बजे तक तीनों को आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया था। सीबीआई की ओर से पेश वकील ने अदालत के समक्ष कहा था कि दोषियों को अधिक से अधिक सजा देनी चाहिए।

बंगाल में खूनी राजनीति

पूर्वी मिदनापुर, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में खूनी राजनीति का दौर थमता नहीं दिख रहा है। 24 घंटे के भीतर दो बीजेपी कार्यकर्ताओं के शव पेड़ से लटके मिले हैं। पूर्वी मिदनापुर जिले के कछुरी गांव में बीजेपी कार्यकर्ता पूर्णचरण दास का शव पेड़ से लटका मिल तो मथुरापुर में बूथ सचिव गौतम पात्र का शव भी पेड़ से लटका मिला है। परिवार और बीजेपी ने टीएमसी पर हत्या का आरोप लगाया है। हाल ही में संदिग्ध हालात में मृत मिले बीजेपी विधायक को लेकर भी काफी आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला था। पुलिस इन मामलों की जांच कर रही है। बंगाल बीजेपी ने ट्वीट करके कहा, 24 घंटे के भीतर बंगाल में एक और बीजेपी कार्यकर्ता की हत्या। मथुरापुर में बूथ सचिव गौतम पात्र वीभत्स तरीके से लटके मिले। इस तरह की राजनीतिक हत्याएं गृहमंत्री ममता बनर्जी के कार्यकाल में बहुत सामान्य हो चुकी हैं। वह जिम्मेदारी से बच नहीं सकती हैं।

कोरोना वायरस का कहर जारी

देश में 2 दिन में 1 लाख कोरोना केस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में कोरोना वायरस की रफ्तार दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। आंकड़ों के मुताबिक देश में 2 दिनों में लगभग 1 लाख कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। गुरुवार को कोरोना वायरस के कुल केसों की संख्या बढ़कर 16 लाख से ज्यादा हो गई। वहीं, संक्रमण से मरने वालों की तादाद भी बढ़कर 35,134 हो गई है। कोरोना वायरस के आंकड़ों पर नजर रखने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के अनुसार, भारत में कोरोना वायरस के कुल मामलों की संख्या 1,601,070 हो गई है, जबकि मृतकों की संख्या 35,134 है। इस घातक वायरस के संक्रमण से अबतक 1,029,069 लोग ठीक हो चुके हैं।कोरोना संक्रमण के मामलों में महाराष्ट्र अब भी शीर्ष पर बना हुआ है। जबकि, दूसरे स्थान पर तमिलनाडु और तीसरे स्थान पर राजधानी दिल्ली काबिज है। कोविड-

19 की रोजाना 10 लाख जांच करने की योजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में हर दिन कोविड-19 की करीब पांच लाख जांच की जा रही है और अगले एक-दो महीने में यह दोगुनी हो जाएगी। कोविड-19 से मुकाबले के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की प्रौद्योगिकी पर एक संग्रह को जारी करते हुए हर्षवर्धन ने कहा कि देश में ठीक होने की दर 64 प्रतिशत से अधिक है और मृत्यु दर 2.2 प्रतिशत है । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने वायरस से निपटने में चिकित्सा बिरादरी के साथ योगदान दे रहे वैज्ञानिक समुदाय की भी सराहना की। हर्षवर्धन ने कहा कि भारत में कोविड-19 का पहला मामला 30 जनवरी को आया था और छह महीने हो चुके हैं।

पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए गहलोत विरोधी रवैये पर कायम है विधायक ओला

झुंझुनू, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के साथ कांग्रेस के जिन 19 विधायकों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद कर रखा है, उनमें झुंझुनू के विधायक बृजेंद्र ओला भी शामिल हैं। श्री ओला के पिता शीशराम ओला ने भी वर्ष 2008 में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ चुनाव लड़कर उनको चुनौती दी थी। हालांकि उस समय श्री गहलोत शीशराम ओला को मात देकर मुख्यमंत्री बनने में सफल रहे थे, मगर ओला को संतुष्ट करने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें पहले तो लोकसभा में संसदीय दल का उपनेता बनाया, फिर केंद्र सरकार में उन्हे दूसरी बार कैबिनेट मंत्री बनाया था। अपने पिता स्वर्गीय शीशराम ओला द्धारा शुरू किये गये गहलोत विरोध के नक्शे कदम पर झुंझुनू विधायक बृजेंद्र ओला भी निरंतर चल रहे हैं।

पीछे हट जाने के चीनी दावे को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर अधिकतर स्थानों से सैनिकों को पीछे हटा लेने के चीन के दावे पर विदेश मंत्रालय ने कहा है कि सैन्य बलों को पीछे हटाने की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। पूर्वी लद्दाख में बलों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी करने संबंधी कदमों पर विचार करने के लिए भारत और चीन के वरिष्ठ कमांडर निकट भविष्य में मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कह, %%सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति कायम रखना द्विपक्षीय संबंधों का आधार है। हम उम्मीद करते हैं कि चीन सीमा से बलों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी करने और तनाव कम करने के लिए हमारे साथ ईमानदारी से मिलकर काम करेगा। इससे पहले बीजिंग ने कहा था कि चीन और भारत के अग्रिम पंक्ति के सैनिकों ने सीमा पर ज्यादातर स्थानों पर पीछे

हटने की प्रक्रिया पूरी कर ली है और जमीनी स्तर पर तनाव घट रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन से उन खबरों पर टिप्पणी मांगी गई थी जिनमें कहा गया है कि भारत और चीन के सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी, हॉट स्प्रिंग और कोंगका दर्रा इलाकों में पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी कर ली है और सिर्फ पैंगोंग सो इलाके में ही सैनिकों को पीछे हटना है। वांग द्वारा मंदारिन भाषा में की गई टिप्पणी का अंग्रेजी में अनुवाद करके चीन के विदेश मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया है। इसमें (अंग्रेजी अनुवाद में) कहा गया है, चूंकि अग्रिम पंक्ति के सैनिक ज्यादातर जगहों से पीछे हट गए हैं।

बकरीद के अवसर मे बकरे को ले जाता ग्राहक।

गाइड लाइन के अनुसार कुर्बानी के फरीजे को अंजाम दें : मौलाना खालिद रशीद

कुर्बानी के आर्थिक और सामाजी लाभ बहुत हैं

लखनऊ, संवाददाता। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली इमाम ईदगाह लखनऊ ने अपने बयान में कहा कि 9 जिल हिज्ज मुताबिक 31 जुलाई की फजर नमाज के बाद से 13 जिलहिज्ज मुताबिक 04 अगस्त की असर नमाज के बाद तकबीर तशरीक पढ़ना हर मुसलमान मर्द व औरत पर वाजिब है। उन्होने कहा कि पूरे देश में 01 अगस्त को ईद उल अजहा होगी। इस मुबारक अवसर पर पहली, दूसरी और तीसरी अगस्त को कुर्बानी की जायेगी। इन तीनों दिन कुर्बानी करना कोई रस्म नही बल्कि खुदापाक की पसन्दीदा इबादत है। यह हजरत इब्राहीम और हजरत इस्माईल (अलै0) की सुन्नत है। इस लिए तमाम साहिब-ए-हैसियत मुसलमानों को चाहिए कि सरकार की गाइड लाइन पर पूरी तरह से अमल करते हुए अपने घरों ही में कुर्बानी के फरीजे को अंजाम दें। जिन इलाकों में ईद उल अजहा की तीनों दिन रेड जोन है और इस वजह से लोग कुर्बानी न कर पायें तो उनको चाहिए कि दूसरी जगह पर रकम भेज कर कुर्बानी करायें। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि कोविड-19 की वजह से बेरोजगारी में वृद्धि हुई है और इस्लामी मदरसे भी आर्थिक तंगी का शिकार हुए है। इस लिए जो लोग वाजिब कुर्बानियों के साथ साथ हर साल नफली कुर्बानियॉ कराते थे वह मौजूदा हालात को देखते हुए इसकी रकम मदरसों में दान कर दें। कुर्बानी के सिलसिले में सेनेटाइजेशन, मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग और सफाई सुत्थराई का विशेष एहतिमाम करें। जानवर की गन्दगी को अवामी जगहों पर न फेंकें। जानवर का खून नालियों में न बहायें। इस्लाम धर्म के सफाई से सम्बन्धी आदेशों व हिदायतों पर अच्दी तरह अमल करें। उन्होने सरकार पर भी जोर दिया कि पूरे देश में कुर्बानी के इस फरीजे को अंजाम देने में पूरा सहयोग करे। क्योंकि यह मुसलमानों का धार्मिक फरीजे के साथ साथ देश की आर्थिकता को बड़ा फायदा पहुंचाती है। कुर्बानी के आर्थिक और सामाजी लाभ भी बहुत हैं। मौलाना फरंगी महली ने ईद उल अजहा की नमाज के सिलसिले में हिदायत देते हुए कहा कि जिस जगह 4 लोग हों तो वह ईद की नमाज जमाअत के साथ अदा करें और जहॉ 4 से कम हों तो वह हजरात 4 रकआत नफ्ल चाश्त अदा करें। ईद की नमाज के बाद खुतबा पढ़ना मसनून है। अगर खुतबा याद न हो और खुतबे की कोई किताब भी न हो तो पहले खुतबे में सूरह फातिहा और सूरह अखलासघ् और दूसरे खुतबे में दुरूद शरीफ के साथ अरबी में कोई दुआ पढ़े। ईद उल अजहा का खुतबा इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के वेब पेज पर मौजूद है। खुतबे के बाद कोविड-19 के अन्त के लिए विशेष दुआयें की जायें। मौलाना ने बताया कि ईद उल अजहा की नमाज पढ़ने की तरीका यह हैरू नियतरू पहले यह कहें कि नियत करता हूँ मैं दो रकात नमाज ईद-उल-अजहा वाजिब छ तकबीरों के साथ, वास्ते अल्लाह तआला के, पीछे इस इमाम के।

महासचिव प्रियंका गांधी ने डॉ कफील खान की रिहाई के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखा पत्र

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर डॉ कफील खान के साथ न्याय करने की अपील की है। पत्र में महासचिव प्रियंका गांधी ने लिखा है कि मैं डॉक्टर कफील खान का मामला आपके संज्ञान में लाना चाहती हूँ। वे अब तक लगभग 450 दिन से ज्यादा जेल में गुजार चुके हैं। डॉ कफील ने कठिन परिस्थितियों में निःस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा की है। उन्होंने पत्र में कहा है कि मुझे उम्मीद है कि आप अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए डॉ कफील को न्याय दिलवाने का पूरा प्रयास करेंगे। पत्र के अंत में उन्होंने गुरु गोरखनाथ जी की सबदी का हवाला देते हुए लिखा है कि आपको मेरे इस निवेदन को मानने के लिए ये पंक्तियां प्रेरित करेगी-मन में रहिणाँ, भेद न कहिणाँ बोलिबा अमृत वाणी अगिला अगनी होईबा हे अवधू तौ आपण होईबा पाणीं पत्र में इन पंक्तियों का भावार्थ लिखा है कि किसी से भेद न करो, मीठी वाणी बोलो। यदि सामने वाला आग बनकर जला रहा है तो हे योगी तुम पानी बनकर उसे शांत करो।

पीजीआई बाउंसर मामले में पीड़ित पक्ष को रोष

लखनऊ, संवाददाता। आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर ने कल शीतलखेड़ा, थाना पीजीआई में मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या के ओएसडी द्वारा एक रिटायर्ड डिप्टी एसपी शैलेन्द्र बहादुर चंद की करोड़ों की संपत्ति पर अवैध कब्जा करने के प्रयास मामले में कड़ी कार्यवाही की मांग की है, अमिताभ ने पुलिस कमिश्नर लखनऊ सुजीत पाण्डेय को भेजे अपने पत्र में कहा कि उनकी दिवंगत डिप्टी एसपी के पुत्र सत्येन्द्र चंद से बात हुई जिन्होंने बताया कि कल उनके परिवार वालों को भी 107ध्116 सीआरपीसी में कार्यवाही की गयी थी. इतना ही नहीं, रात 12 बजे पुलिस उनके छोटे भाई को थाना पीजीआई ले गयी, जहाँ से वे अब तक नहीं लौटे हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिये बच्चों को स्कूल बुला रहा है सीएमएस

लखनऊ, संवाददाता। एक तरफ कोरोना के चलते सारे स्कूल आगामी इकत्तीस अगस्त तक बंद है। पठन-पाठन की सारी प्रक्रिया ठप पड़ी है। वही राजधानी का प्रतिष्ठित सिटी मॉटेसरी स्कूल अपने प्रायमरी और जूनियर कक्षाओं के बच्चों को कार्यक्रम की प्रैक्टिस के लिये स्कूल बुला रहा है। जो सरासर कोविड-19 प्रोटोकाल का खुला उल्लघंन है। सूत्रों के अनुसार सीएमएस की आरडीएसओं शाखा में धर्म संसद कार्यक्रम की प्रैक्टिस और वीडियो बनाने के लिये बच्चों को स्कूल ड्रेस में बुलाया गया था। एक अभिभावक के अनुसार छोटे-छोटे बच्चों को इस कोरोना काल में बारह से दो बजे तक बुलाया गया था। बाद में अध्यापिका का फोन आया कि छुट्टी चार बजे होगी उस समय बच्चों को ले जाइयेगा। कई अभिभावकों ने इसका विरोध भी किया परन्तु स्कूल प्रबन्धन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

राफेल बिहार और बंगाल का चुनावी मुद्दा:आफाक

लखनऊ, संवाददाता। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक ने जारी अपने बयान में कहा कि राफेल भारत आ गया है लेकिन भारतीय मीडिया (गोदी मीडिया) ऐसा प्रचार-प्रसार कर रही है जैसे कि चीन से विजय करके लौटा है। अभी इतनी प्रसिद्धि क्यों दे पैसा देकर समान तो सब खरीदते है लेकिन जब उसका उपयोग करने के बाद उसका परिणाम आए तो बेहतर होता। लेकिन गोदी मीडिया ऐसे वाहवाही पर लगी है कि जैसे कि राफेल ने चीन पर कब्जा जमा लिया है। जब कि सबको पता है कि टेक्नालॉजी में चीन भारत से आगे है और केवल राफेल से समस्या का समाधान नहीं होगा। चीन हमारे भारत से एक साल बाद आजाद हुआ लेकिन आजादी के बाद से चीन ने टेक्नॉलाजी पूरा ध्यान दिया लेकिन हमारे राजनेताओं ने भारतवासियों को गाय, गोबर, मूत्र, गंगा शमषान, कब्रस्तान के मुद्दों में फंसा दिया। यह आज देखा जा सकता है कि हम कितने पीछे और कई देष हमसे आगे हैं। जब चुनाव करीब आता है तो मंदिर-मस्जिद में उलझाकर चुनाव जीतने का लक्ष्य प्राप्त किया जाता है जबकि देष में भुखमरी, बेरोजगारी, कोरोना जैसी महामारी से जनता जूझ रही है इस सबकी कोई परवाह नहीं है। यह भी हम सभी को सोचने की जरूरत है। अंत में मुहम्मद आफाक ने कहा कि 5 अगस्त राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। राम मंदिर के बहाने जो सम्पत्ति है उस पर आर.एस.एस. का कब्जा होने जा रहा है। देष बहुत पीछे चला गया है। गवाकर व सलवाकर की विचारधारा पर देष चलाने का प्रयास किया जा रहा है। यह हमें समझने की जरूरत है। कई लाख विदेषों से भारतीय वापस किया जा रहा है उसकी कोई प्लानिंग नहीं और मंदिर पर करोड़ो रूपया खर्च करने की सोच है कोरोना जैसी महामारी से बेरोजगार लोगों को रोजगार देने की कोई चिंता नहीं।

शिकायत के बाद भी नियमविरुद्ध वहां रखे हैं मुख्य सचिव, सीएम सचिव

लखनऊ, संवाददाता। राज्य संपत्ति विभाग द्वारा एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर को दी गयी सूचना के अनुसार प्रदेश के मुख्य सचिव तथा मुख्यमंत्री के सचिवगण सरकारी नियमों से अधिक सरकारी वाहन अपने पास रखे हैं। जन सूचना अधिकारी रविकेश चन्द्र द्वारा दी गयी सूचना के अनुसार प्रदेश में 06 अफसरों के पास 02 या 02 से अधिक सरकारी वाहन हैं. इनमे मुख्य सचिव आर के तिवारी के पास 02, अपर मुख्य सचिव नियुक्ति मुकुल सिंघल के पास 03, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एवं सचिव एस पी गोयल, संजय प्रसाद तथा आलोक कुमार के पास 02 तथा सहायक राज्य संपत्ति अधिकारी अजित कुमार सिंह के पास 02 वाहन हैं। राज्य संपत्ति विभाग के अनुसार एक अफसर को 01 से अधिक वाहन रखने का कोई शासकीय नियम नहीं है. सूचना के अनुसार ये सभी अफसर तैनाती के दिन से ही नियम से अधिक वाहन रखे हैं।

उफान पर नदियां, कहीं खतरे का निशान पार तो कहीं कटान का भय

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में शारदा और सरयू नदी उफान पर हैं और शारदा पलियाकंला तथा लखीमपुर खीरी में खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। इसी तरह सरयू भी बाराबंकी,अयोध्या और बलिया में खतरे के निशान से ऊपर है। कानो नदी भी बस्ती और संतकबीरनगर में खतरे के निशान के पास है और इनके बढ़ने का सिससिला जारी है। बता दें कि बस्ती जिले में सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने से 50 से अधिक गांवों को बाढ़ का खतरा हो गया है। सरयू नदी का जलस्तर खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है जिससे जिले के 50 से अधिक गांव को बाढ़ और कटान का खतरा पैदा हो गया है। आधिकारिक सूत्रों ने आज कहा कि सरयू नदी खतरे के बिंदु 92.7 के बदले 92.6 पर बह रही हैं। नदी खतरे के बिंदु से 9 सेंटीमीटर नीचे है और इसका रुख बढ़ाव की ओर है। मैदानी तथा पहाड़ी क्षेत्रों में पिछले 24 घंटे में हुई तेज वर्षा और बैराज द्वारा सरयू नदी में पानी छोड़े जाने से जलस्तर में बढ़ाव के आसार हैं। गिरजा बैराज से 1729 , शारदा बैराज से 1387 ,सरयू बैराज से 270 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। वर्षा और बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण शुभिका बाबू,अशोकपुर, विष्णुदासपुर, खजांचीपुर, बिलासपुर, खलवा चांदपुर,भारथापुर गांव को बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। नदी का दबाव कटोरिया , चांदपुर,तथा लोलपुर, विक्रमजोत बांध पर बढ़ गया है। बाढ़ खंड विभाग के अधिकारी सरयू नदी के तटवर्ती बांधों पर सीसीटीवी कैमरा लगाकर बांध की निगरानी कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को बाढ़ के पर सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है।

नौटंकी के रंग, रंग संगीत के संग' में दिखा शास्त्रीय,लोक परंपरा का संगम

नौटंकी के साथ ही आधुनिक नाटकीय तत्वों का तालमेल भी देखने को मिला

लखनऊ, संवाददाता। नौटंकी के नए चलन में पारंपरिक लोक कला के साथ-साथ उसमें शास्त्रीय पुट को भी खबूसूरती के साथ जोड़ा गया है। लेखक और निर्देशक अमित दीक्षित ने ऑनलाइन शो के माध्यम से बीते 25 वर्षों में युवाओं के अनुरूप ढलती नौटंकी की दिलचस्प यात्रा को डेढ़ घंटे में बखूबी समेटा। 'नौटंकी के रंग, रंग संगीत के संग' का प्रसारण समूहन कला संस्थान के फेसबुक पेज पर किया गया। अमित दीक्षित के चौक स्थित स्टूडियो से इस कार्यक्रम का प्रसारण किया गया। वाराणसी की संस्था आवर्तन के संयुक्त प्रयास से कला प्रभा के 52वें अंक में नौटंकी के साथ आधुनिक नाटकीय तत्वों का तालमेल भी देखने को मिला। इसमें उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी सम्मान प्राप्त निर्देशक, अभिनेता, लेखक और गायक अमित दीक्षित ने बीते 25 वर्षों में नौटंकी और उनके प्रयोग विषय पर संगीतमय प्रस्तुति दी। इसमें उन्होंने नाटंकी लोकशैली के पारंपरिक अंग दोहा, चौबोला, बहरेतबील, खमसा, लावणी, दौड़, शकिशता के साथ नक्कारा, शहनाई को बखूबी शामिल किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की विश्व प्रसिद्ध गायन आधारित लोक नाट्य शैली नौटंकी में युवाओं का आकर्षण बढ़ाने के लिए पहला प्रयोग यह किया कि नौटंकी में उन्होंने शास्त्रीय संगीत को जोड़ा। इस कड़ी में उन्होंने उत्तर प्रदेश के समृद्ध शास्त्रीय नृत्य, कथक को नौटंकी का अंग बनाया। इस नव नौटंकी विधा संगीत के शास्त्रीय वाद्यों को भी इसमें शामिल किया गया है जिसमें नक्कारे के साथ तबले की जुगलबंदी सर्वाधिक सराही गई। प्रस्तुति में साथी कलाकारों में अमित सिंह लकी, बंटी मिश्रा, बरखा श्रीवास्तव, संजोली दीक्षित और संचित दीक्षित शामिल रहे। कैमरे पर आशुतोष विश्वकर्मा, नक्कारे पर मो.सिद्दीक, हरमोनियम पर अरविन्द, शहनाई पर मो.इखलाक और ढोलक पर मुन्ना खान ने प्रभावी संगत दी।

चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में नियुक्तियों में भ्रष्टाचार की सम्भावना

लखनऊ, संवाददाता। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय प्रशासन शैक्षिक पदों पर नियुक्तियों हेतु प्रस्तवित साक्षात्कार में खुले आम नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए आतुर है। इस सम्बंध में उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व उ0प्र0 की राज्यपाल को भी पत्र भेजकर शिकायत की है उन्होने कहा है कि एक तरफविश्वविद्यालय प्रशासन वैश्विक महामारी कोविड-19 के फैलते प्रकोप की परवाह किये बिना सभी दिशा-निर्देशों व सावधानियों की उपेक्षा करते हुए आगामी अगस्त माह के प्रथम सप्ताह से प्रस्तावित शिक्षक भर्ती हेतु साक्षात्कार करने जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा इन पदों पर अपनायी गयी आरक्षण प्रणाली पर भी कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि आरक्षण लागू किये जाने हेतु विभागों का व्यवस्थिकरण उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश में सुझाए गए हिन्दी वर्णमाला के क्रम के अनुसार नही किया गया है। प्रारम्भ के पांच विभागों आरक्षण का व्यवस्थिकरण उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश के अनुसार नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश में सुझाए गई रोस्टर प्रणाली का भी कोई ध्यान न रखते हुए उसका खुला उल्लघन किया गया है। विज्ञापित कुल 45 पदों मे आर्थिक कमजोर वर्ग के लिए अधिकतम 04 पद आरक्षित होने चाहिए, जबकि विज्ञापन में 07 पद आरक्षित किए गए है, जिसके कारण सम्पूर्ण पदों की आरक्षण व्यवस्था बिगड़ गई है अर्थात जिस श्रेणी के लिए जितने पद आरक्षित होने चाहिए नही हुए है। इस सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय प्रशासन की नीति और नियत ठीक नजर नहीं आती है और भ्रष्टाचार की मंशा स्पष्ट दिखाई देती है । उन्होंने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय महोदया से मामले में संज्ञान लेने और उचित कार्यवाही करने की अपेक्षा की है।

अमेजन डॉट इन पर प्राइम डे के दौरान एक हजार से ज्यादा लान्च होंगे नये प्रोडक्ट

लखनऊ, संवाददाता। अमेजन का प्राइम डे सेल जिसका भारत में बेसब्री से इंतजार रहता है, यह गुरुवार 6 अगस्त की आधी रात से शुरू होगा और 48 घंटे तक चलेगा, जिसमें प्राइम मेंबर्स के पास मनपसंद शॉपिंग करने के लिए दो दिनों का वक्त होगा. आपकी सेफ्टी और कम्फर्ट के लिए आपको घर पर रहते हुए ही बचत और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट के लिए पूरे दो दिन का समय मिलेगा। अमेजन डॉट इन पर 100 से अधिक लघु और मध्यम व्यवसायों और स्टार्ट-अप्स इस साल प्राइम डे पर 17 श्रेणियों में 1000 से अधिक नए प्रोडक्ट्स को लॉन्च करेंगे। अमेजन सेलर्स पर हजारों लोकल शॉप्स इस साल भारत में प्राइम डे पर अपना डेब्यू करेंगी। अमेजॅन के लॉन्चपैड प्रोग्राम के तहत स्टार्ट-अप और छोटे व्यवसायों को हेल्थ, पर्सनल केयर, ब्यूटी और ग्रूमिंग, किराना और घरेलू प्रोडक्ट्स जैसी श्रेणियों में यूनिक और विभिन्न उत्पादों को लॉन्च किया जाएगा, जिसमें विशेष पीएम 2.5 एलईडी डिस्प्ले के साथ पोर्टेबल एयर प्यूरीफायर शामिल हैं कोरल ट्री से बेल्जियम वफ्ल बाउल मेकर सिरोना हायजिन से हाइड्रोजेल पॉपर्टीज के साथ प्रेगनेंसी और पोस्ट-प्रेगनेंसी पैन रिलीफपैच थियो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड से मैग्नेटिक एलईडी असीमेट्रिक्स डेस्क लैंप ग्मबी अमोंगस्ट से ग्मबी पैववजीम पोर्टेबल आई मसाजर और अन्य लॉन्चपैड एक वैश्विक कार्यक्रम है जो अमेजॅन के लाखों लोगों के लिए स्टार्टअप और उभरते ब्रांडों से यूनिक और विभेदित उत्पादों का प्रबंध करता है और उन्हें वितरित करता है। अमेजन इंडिया के सेलर एक्सपीरियंस डायरेक्टर प्रणव भसीन ने कहा, ÷यह प्राइम डे छोटे और मध्यम कारोबार को देश के लाखों प्राइम मेंबर्स तक पहुंचाने में मदद करेगा। यह छोटे से छोटे व्यवसायों को भाग लेने, हाल की चुनौतियों से लड़ने और अपने व्यवसाय को बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। इस साल, अमेजॅन प्रोग्राम पर स्थानीय दुकानों के रूप में हजारों ऑफलाइन खुदरा विक्रेता प्राइम डे में भाग ले रहे हैं और जिन्हे हाई कस्टमर डिमांड से लाभान्वित होने का मौका मिलेगा।÷ प्रणव ने आगे कहा,÷ विक्रेता प्रत्येक वर्ष नए उत्पादों को पेश करने के लिए प्राइम डे का इंतजार करते हैं, और हम इस प्राइम डे पर लॉन्च किए जा रहे उत्पादों की संख्या में 2म वृद्धि देखी जा रही है। दीप बजाज, सीईओ सिरोंना हाइजीन ने कहा, ÷हम पूरे भारत में ग्राहकों के साथ जुड़ने और अपने उत्पादों की श्रेणी का विस्तार करने के लिए हर साल प्राइम डे का इंतजार करते हैं। इस वर्ष, हम प्राइम डे पर अमेजॅन लॉन्च पैड के माध्यम से स्वास्थ्य और कल्याण उत्पादों की एक पूरी नई श्रेणी ला रहे हैं और ग्राहकों की सेवा करने और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।

यूपी की कानून व्यवस्था पटरी से उतरी: डॉ कुशवाहा

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था खराब होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि यूपी में भाजपा राज में अपराधियों और पुलिस के गठजोड़ के चलते आये दिन हत्या, अपहरण, बलात्कार ,महिलाओ पर अत्याचार हो रहे हैं जिसे रोक पाने में सरकार पूरी तरह से अक्षम साबित हो रही है।समाजवादी पार्टी के नेता डॉ एस पी सिंह कुशवाहा ने अपने बयान में कहा कि भाजपा राज में उत्तर प्रदेश में अपहरण की घटनाये आये दिन हो रही हैं।सूबे के कानपुर ,गोंडा,गोरखपुर जैसी तमाम घटनाओ ने राज्य की भाजपा सरकार के अपराध रोकने के इंतजामो के दावो की पोल खोल कर रख दी है।उन्होंने कहा कि यूपी की जनता परेशान है मुख्यमंत्री को अपराध रोकने के लिए अब कड़े कदम उठाने चाहिए। डॉ कुशवाहा ने कहा कि यूपी सरकार कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर में 14 साल के बालक की अपहरण कर हत्या कानून व्यवस्था की पोल खोलने के लिये काफी है। यूपी की कानून व्यवस्था को फेल बताते हुए डॉ कुशवाहा ने कहा की कानपुर के संजीत यादव के अपहरण व हत्या मामले में पीड़ित परिवार को कोई राहत नहीं मिल पाई है। सूबे के गाजियाबाद,नोयडा,कानपुर, प्रयागराज,कासगंज,कन्नौज सहित तमाम जनपदों में आये दिन हत्या,अपहरण,डकैती,लूट,महिलाओ पर अत्याचार,बलात्कार जैसी संगीन घटनाये हो रही हैं और भाजपा सरकार केवल बयानबाजी कर रही।उन्होंने कहा की यूपी में जिस तरह से कानून व्यवस्था पटरी से उतरी हुई है भाजपा सरकार को उसको पटरी पर लाना चाहिए।जनता अब पूरी तरह से परेशान हो चुकी है।पुलिस के अपराधियों से सम्बन्ध सामने आ चुके हैं। डॉ कुशवाहा ने कहा की यूपी में जब पुलिस और अपराधी गले मिल रहे हैं तो ऐसे में जनता को अपराधियों और अपराधो से कैसे मुक्ति मिलेगी।सूबे में जिस तरह से अपहरण और हत्यायें हो रही हैं।

पब्लिक भी पुलिस का रोल अदा कर रही है: डीसीपी पश्चिम

कोरोना काल में नागरिकों के सहयोग से बढ़ा है पुलिस का मनोबल और संख्याबल: सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी

लखनऊ, संवाददाता। बकरीद, रक्षाबंधन और स्वतन्त्रता दिवस जैसे प्रमुख पर्वों पर पुलिस की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। वही जब कोरोना के चलते एक-एक करते कई थानों की पुलिस लगातार कोरोना संक्रमित हो रही है तो आम आदमी के मन में चिंता की लकीरें आना स्वभाविक है। 112, 108 जीआपी, पुलिस लाइन थाना मोहनलालगंज, तालकटोरा, नाका, चिनहट, आशियाना आदि में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाये गये है। इनके साथ-साथ बहुत से अन्य को भी क्वारेंटीन किया गया। जिससे कही न कही पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रभाव पड़ा है पुलिस उप-आयुक्त पश्चिम डीसीपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने बताया कि कोरोना एक बीमारी है जो किसी को भी हो सकती है। पुलिस आने वाले त्योहारों को शासन द्वारा दी गयी गाइडलाइन के साथ जिम्मेदारी से निभा रही है। कोरोना संक्रमण के साथ पुलिस नागरिकों को बचा भी रही है और शहर में क्राइम को भी कंट्रोल कर रही है। त्योहारों के मद्देनजर अपराध और अपराधियों पर पुलिस की पैनी नजर है। कोरोना योद्धा भी एक इन्सान उनको भी कोरोना संक्रमण होना सामान्य घटना है। डीसीपी के अनुसार कोरोना से पुलिसकर्मियों के पॉजिटिव होने से पुलिस का मनोबल कम नहीं हुआ है। पुलिसकर्मी और भी अधिक सावधानी से अपनी ड्यूटी कर रहे है। एक साथ पॉजिटिव होने से और क्वारेंटीन होने से संख्या में कुछ कमी हो सकती है। परन्तु आज के जागरूक नागरिक खुद पुलिस का रोल अदा कर रहे है। पब्लिक ही पुलिस है। ऐसे में पुलिस का मनोबल और संख्याबल कम नही हुआ है बल्कि कई गुना बढ़ा है। एसीपी बाजारखाला अनूप कुमार के अनुसार कोरोना संक्रमणकाल में पुलिस उच्च मनोबल के साथ कार्य कर रही है। बकरीद जैसे प्रमुख त्यौहार को कोविड-19 प्रोटोकाल और शासन द्वारा दी गयी गाइड लाइन के अनुपालन के साथ सम्पन्न कराने के लिये पुलिस अपनी जिम्मेदारी के साथ मुस्तैद है। पुलिस कमिश्नर और पुलिस उप-आयुक्त पश्चिम इस सम्बन्ध में सभी को पूरी तरह ब्रीफ कर चुके है। पुलिसकर्मियों में कोरोना संक्रमण से पुलिस की कार्यप्रणाली पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। कोरोना, क्राइम और त्यौहारों पर सुरक्षा के लिये पुलिस पूरी तरह तैयार है।

कांग्रेस के प्रदेश कांग्रेस कार्यालय मे नव नियुक्त जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाटी को माला पहना कर स्वागत करते प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू।

कोविड-19 के बढ़ते प्रभाव से कई स्थानों को किया गया सील

नगर समेत तहसील क्षेत्र में कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या में हो रहा इजाफा

बिन्दकी, फ्तेहपुर । कोरोना वायरस मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। साथ ही कोरोना पॉजिटिव केस की संख्या भी बढ़ती जा रहे जिसके चलते नगर के कई स्थानों को सील करना पड़ा। कंटेंटमेंट एरिया को सील कर आवागमन बंद किया गया है। इसके अलावा कई स्थानों पर सैनिटाइजेशन भी किया गया है, ताकि कोरोनावायरस संक्रमण को रोका जा सके। कस्बे में कोरोना वायरस संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। कोरोना पॉजिटिव केस की संख्या भी लगातार बढ़ रही है जिसके चलते मुख्य बाजार में भी कई स्थानों पर बैरिकेडिंग करके सील कर दिया गया है। गुरुवार को नगर के मेन बाजार, पुराना इलाहाबाद बैंक के समीप दो सगे भाइयों के कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद मेन बाजार तथा मेन बाजार से नजाही बाजार जाने वाले मार्ग को सील कर दिया गया तथा कटेंटमेंट एरिया में बैरियर लगाकर आवागमन पूरी तरह से रोक दिया गया है। वहीं दूसरी ओर बिंदकी लेखपाल भान सिंह तथा नगर पालिका परिषद के कर्मचारी जावेद तथा रोशन ने मौके पर पहुंचकर मेन बाजार के अलावा नगर के घियाही गली में भी बैरकटिंग कराने का काम किया गया। यहां पर एक व्यापारी कोरोना पॉजिटिव हुआ है जिसके बाद लगातार प्रशासन और नगर पालिका सक्रिय हो गया है। इन स्थानों पर और आसपास के इलाके में दवा का छिड़काव कराके सैनिटाइजेशन का भी काम किया गया है। इसके पहले नगर के मोहल्ला पुरानी बिंदकी पैगंबरपुर, नई कॉलोनी, इलाहाबाद बैंक के समीप भी कोरोना पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। वही कस्बे के कोतवाली में बैरिकेडिंग करके सील कर दिया गया है। कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए प्रशासन लगातार सक्रिय लोगों से घरों में ही रहने की हिदायत दी जा रही है। बाहर निकले तो सामाजिक दूरी का पालन करें, मॉस्क के लगाने की बात कही जा रही। उधर उपजिलाधिकारी ने नगर के कंटेनमेंट इलाकों का दौरा का स्थिति का जायजा लिया।

रिश्ता हुआ कलंकितः पिता ने पार की दरिंदगी की हद

सात माह के मासूम को जिंदा फूंकने का प्रयास, माँ की सक्रियता से बची जान

गंभीर हालत में जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती

फ्तेहपुर । दिल को दहला देने वाली वारदात उस वक्त प्रकाश में आयी जब सात माह के दुधमुंहे बच्चे को पिता ने मिट्टी का तेल डालकर जला दिया। बच्चे की हालत गम्भीर होने पर उसे जिला चिकित्सालय के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया। बताया जाता है कि पत्नी के अवैध संबंध के शक पर पति ने नवजात बच्चे को जान से मारने का प्रयास किया है।

जानकारी के अनुसार गाजीपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव निवासी गौतम याव की शादी 15 जून 2019 को ललौली थाना क्षेत्र के उमरपुर भोदर गांव निवासी चुनका यादव की पुत्री रीना यादव के साथ हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार हुयी थी। बताया जाता है कि पति गुड़गांव में प्राइवेट नौकरी करता है। इस बीच उसकी पत्नी रीना यादव ने एक बच्चे को सात माह में जन्म दिया। यह बात गौतम यादव को नगंवार गुजरी और अपनी पत्नी पर अवैध संबंधों को लेकर शक करने लगा। कई बार उसने अपनी पत्नी को बुरी तरह मारापीटा। उधर 26 जुलाई की शाम रानी की सास गोमती देवी उसे बहाने से जंगल शौचक्रिया के लिए ले गयी। इसी बीच मौका पाकर गौतम ने घर के अंदर सो रहे अपने सात माह के मासूम बच्चे आयुष यादव पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दिया। चीख-पुकार सुनकर मां दौड़ती हुयी घर के अंदर आयी तो देखा कि उसका पति उस पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा रहा था जबकि पति द्वारा झूठ बोला कि वह दूध से जल गया है। जब पत्नी ने इसका विरोध किया तो उसे पीटने लगा। शोर मचाने पर मुहल्ले के कुछ लोग इकट्ठा हो गये। जिस पर पति भाग खड़ा हुआ। तभी किसी ने सरकारी एम्बुलेन्स को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेन्स ने झुलसे मासूम को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गम्भीर बनी हुयी है। उधर पीड़ित मां मुकदमा दर्ज कराने जब थाने पहुंची तो पुलिस ने फरियाद सुने बिना ही उसे थाने से भगा दिया। जिस पर उसने 28 जुलाई को पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा को शिकायती पत्र देकर गुहार लगायी। एसपी के हस्ताक्षेप के बाद गाजीपुर पुलिस सक्रिय हुयी और आज सुबह दरिन्दे पिता को गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

संक्रामक बीमारी फैलने की सूचना पाकर चिल्ली गांव पहुँची स्वास्थ्य टीम

- 36 मरीजों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण, 32 की बनायी गयी स्लाइड
- एसडीएम व डिप्टी सीएमओ ने भी गांव पहुँच हालात का लिया जायजा

जहानाबाद, फ्तेहपुर । थाना क्षेत्र के ग्राम चिल्ली में संक्रामक बीमारी की सूचना पाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवमई की टीम डिप्टी सीएमओ के नेतृत्व में गांव का निरीक्षण करने पहुँची। टीम द्वारा गांव में फैले वायरल फीवर के ग्रसित लोगों की स्लाइड बनाकर उनके रक्त के नमूने लिए गये। डा0 अमित चौधरी ने बताया कि ग्राम चिल्ली में 36 मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 32 मरीजों की स्लाइड बनाकर उन्हें परीक्षण के लिए भेजा गया है। उधर विचित्र बीमारी की सूचना पाकर उपजिलाधिकारी आशीष सिंह, डिप्टी सीएमओ केके श्रीवास्तव, डा0 अमित चौधरी डा0 रामजी राव, डा0 आरबी वर्मा आदि ने लोगों को बदलते मौसम पर स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के साथ-साथ उन्हें तरल पदार्थों तथा गरिष्ठ भोजन ना करने की सलाह दी। रात में मच्छरदानी का प्रयोग तथा उबला हुआ पानी पीने में प्रयोग करने की सलाह दी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में फैली गंदगी को लेकर ग्राम प्रधान को फटकार लगाते हुए अतिशीघ्र गंदगी हटाने के दिशा निर्देश दिए। ग्रामीणों के अनुसार लगभग एक सप्ताह से गांव के एक सैकड़ा परिवार के लोग बीमारी से ग्रसित हैं जिनका उपचार कानपुर व प्राइवेट अस्पतालों में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी सीएमओ ने बताया गांव में निरंतर टीम नजर रखेगी।

पुलिस कप्तान से अवैध कब्जे की शिकायत

फ्तेहपुर । सुल्तानपुर घोष थाने के ग्राम हौलिया पूर्व मजरे धनकामई निवासी करण सिंह पुत्र शीतल ने पुलिस अधीक्षक को एक शिकायती पत्र देते हुये बताया कि उसका भाई सूरज सिंह से उसके हिस्से की जमीन आवास हेतु खरीदा है। जिस पर उसने अपना निर्माण कार्य करवा रखा है। उक्त भाई दूसरे सगे भाई नरेश कुमार व उसकी पत्नी के बहकावे में आकर हमारे द्वारा नगद दी गई एक लाख रूपये की धनराशि हड़प कर उक्त मकान के निर्माण कार्य में स्वयं व अपने लड़के अंकित व अपनी पत्नी तथा भाई नरेश व उसकी पत्नी सहित एक राय होकर व्यवधान उत्पन्न कर रहे हैं और उक्त जमीन पर हो चुके नए निर्माण को सरकारी व गुंडई के बल पर गिरा कर जबरन कब्जा करना चाहते हैं। जिसका एक मुकदमा करण सिंह बनाम सूरज सिंह के नाम अदालत में दाखिल किया है। 29 जुलाई को समय लगभग 9 बजे दिन में उक्त लोगो ने अपने हाथों में सबरी व फावड़ा तथा लोहे की रॉड लेकर कराए गए मकान निर्माण कार्य की अर्ध निर्मित दीवारों को तोड़कर क्षतिग्रस्त करने लगे। जब इस बात का विरोध किया तो भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे और कहने लगे कि पुलिस का भी कोई खौफनहीं है। प्रार्थी ने जब संबंधित थाना जाकर मदद मांगी किन्तु थाने पर कोई सुनवाई नहीं हुई।

चन्द्रा बालिका इंका में मेंधावी छात्राओं का हुआ सम्मान

फ्तेहपुर । पीरनपुर स्थित चंद्रा बालिका इंटर कॉलेज में मेधावी छात्रा अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य उमेश चंद्र गुप्ता एवं प्रीति गुप्ता ने विद्यालय में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट स्थान पाने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, शील्ड देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हाई स्कूल में सांझ सिंह चौहान, निधि तिवारी, शिप्रा शुक्ला, प्राची पांडेय, इबरत अय्यूब, कुमारी शालिनी, आफ्रीन, बुसरा वारसी, शहरीन मुमताज को शील्ड देकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं इंटरमीडिएट में अलीशा शाह, उमरा फातिमा, योग्यता तिवारी, जीनत परवीन, कुमारी निहारिका गुप्ता, जुबेरिया फात्मा, अफसाना खातून, शबेनूर को उत्कृष्ट स्थान पाने के चलते उन्हें शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर विद्यालय का स्टाफ भी मौजूद रहा।

पुलिस ने किया रूट मार्च

खागा, फ्तेहपुर । क्षेत्राधिकारी अंशुमान मिश्रा ने अपने सर्किल के सभी थाना क्षेत्रो में रक्षाबंधन व बकरीद के त्योहार को मद्देनजर रखते हुए शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए किया रुट मार्च। इस दौरान सीओ ने सभी लोगो से सोशल डिस्टेंसिग में रहकर व मॉस्क लगाकर त्योहार मनाने की अपील किया।

चॉदी के मुकुट हेतु सौंपी 11 हजार की चेक

हथगाम, फ्तेहपुर । अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के जिलाध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) प्रकाश त्रिपाठी उर्फरानू त्रिपाठी के द्वारा राम दल संरक्षक पंकज द्विवेदी को हथगाम कस्बा स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में चांदी के मुकुट हेतु 11000 रुपये की चेक भेंट की गई, जिसमें ननकऊ त्रिपाठी, संदीप तिवारी, प्रसून तिवारी, आदित्य त्रिवेदी, वैभव द्विवेदी, ओमी मिश्रा, सुधीन प्रधान आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

आज फिर प्राप्त हुई 20 लोगो की धनात्मक रिपोर्ट

फ्तेहपुर । जनपद में आज फिर कोरोना के संक्रमितो की संख्या में इजाफा होने से इस वैश्विक महामारी ने जनपद में अपना शिकंजा और कस लिया है। आज 20 और कोरोना संक्रमित मिलने से जहाँ लोगों में दहशत बढ़ी है। डीएम संजीव सिंह द्वारा देर शाम जारी विज्ञप्ति में आज पॉजीटिव पाए गए 20 लोगों में कई फ्तेहपुर शहर क्षेत्र के हैं। इस तरह जनपद में कुल ऐक्टिव केस बढ़कर 150 हो गये हैं जबकि कुल संक्रमितो का आँकड़ा बढ़कर 450 हो गया हैं। राहत की बात यह है कि इस दौरान 277 मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं। पिछले 24 घण्टे में एक सक्रमित स्वस्थ हुआ हैं। गौरतलब है कि जनपद में अब तक 8 संक्रमितो की मौत हो चुकी हैं।

बकरीद व रक्षाबंधन को लेकर बाजारा खुलवाने की मांग

केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को व्यापारियों ने सौंपा पत्र

फ्तेहपुर । सर्व वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष राम प्रकाश गुप्ता, महामंत्री अमित शिवहरे व साजन गुप्ता के नेतृत्व में अन्य पदाधिकारी केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के नाम ज्ञापन प्रेषित किया। जिसमें मांग की गयी कि 3 अगस्त को रक्षा बंधन है और उस दिन सोमवार है। जबकि रक्षाबंधन से 02 दिन पहले से ही बहने मिठाईयां खरीदने लगती हैं, लेकिन शनिवार और रविवार को पूर्ण लाकडाउन के चलते मिठाइयों की दुकानें बंद रहेंगी। इसी के चलते सोमवार को त्यौहार होने के कारण भीड़ बढ़ जाएगी और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन भी नहीं हो पाएगा। जिलाध्यक्ष राम प्रकाश गुप्ता ने साध्वी से मांग किया कि शनिवार और रविवार को मिठाइयों की दुकानों को खुलवाने का निर्देश जारी करवाएं जिससे कोरोना संक्रमण महामारी में भीड़ इकट्ठा ना हो और लोग सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी कर सकें ताकि किसी भी व्यक्ति को इस त्यौहार पर दिक्कतों का सामना ना करना पड़े। इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में सत्येंद्र गुप्ता, अजय मोदनवाल गुप्ता, सोल्डी गुप्ता सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

सीधे कोरोना पीड़ित मरीज के खाते में भेजी जाए इलाज की धनराशिः अजय सोनी

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर समर्थ किसान पार्टी ने की मांग

धाता, फ्तेहपुर । समर्थ किसान पार्टी ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार से कोरोना बीमारी से पीड़ित मरीज को मिलने वाली सरकारी इलाज की धनराशि, अस्पतालों को न देकर सीधे पीड़ित मरीज के खाते में भेजने की मांग की है। इस संबंध में समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में एक आवश्यक ज्ञापन प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को भेजा गया है। पार्टी नेता अजय सोनी ने इस संबंध में कहा कि सरकार कोरोना पीड़ित मरीज के समुचित इलाज के लिए पर्याप्त पैसा देती है परन्तु मरीज के इलाज एवं खान पान में खर्च होने वाली सरकारी रकम, अस्पताल के खाते में भेजी जा रही है जिसका अस्पताल के जिम्मेदार, सरकार की मंशा के अनुरूप खर्च नहीं कर रहे हैं और पीड़ित मरीज शिकायत करते हैं।

कई बार तो मरीज को समुचित भोजन और दवाओं की आपूर्ति में भी अस्पताल प्रशासन कंजूसी करता है। साथ ही रहने की व्यवस्थाएं भी मरीज के अनुकूल नहीं होती। इस सम्बन्ध में समर्थ किसान पार्टी के नेता अजय सोनी ने माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री महोदय को आज एक ज्ञापन भेज कर यह मांग किया है कि कोरोना से पीड़ित मरीज के इलाज हेतु सरकार द्वारा दी जा रही सहायता राशि अस्पताल प्रशासन को न देकर सीधे पीड़ित मरीज के खाते में भेजी जाए ताकि मरीज जहां समुचित संतुष्ट हो, वहां अपना इलाज करा सके। साथ ही अपने सेहत के सुधार हेतु स्वेच्छा से जो डाक्टर की सलाह से उचित हो, उसका खान पान कर सके। इसी के साथ अजय सोनी ने कहा कि मरीज अपनी इच्छानुसार सरकारी रकम का समुचित खर्च अपनी व्यवहारिक जरूरतों पर भी कर सकेगा और मरीजों को कोई अव्यवस्था या परेशानी भी नहीं होगी, साथ अस्पताल प्रशासन भी मरीजों की समस्या के अनुरूप कार्य करने की कोशिश करेगा।

खखरेरू थाने में तैनात उप निरीक्षक की हृदयाघात से मौत

पुलिस कप्तान समेत समूचे महकमें में शोक की लहर

फ्तेहपुर । खखरेरु थाने में तैनात इटावा जनपद के रहने वाले उप निरीक्षक की दिल का दौरा पड़ने से बुधवार की देर रात मौत हो गई। मौत की जानकारी होते ही थाना समेत पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार इटावा जिले के रहने वाले उप निरीक्षक सुरेश सिंह 58 वर्ष खखरेरू थाने में तैनात थे। बुधवार की देर रात अचानक हार्ट अटैक पड़ गया। जिससे उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि सब इंस्पेक्टर के पैर में कई दिन पहले मोच आ गई थी। परिजन उन्हें गांव बुला रहे थे, लेकिन वो गांव नहीं गये। उनका बड़ा बेटा सब इंस्पेक्टर को लेने आया था। परिजनों का कहना है कि ब्लड़ प्रेसर की समस्या उनको पहले से थी। शायद इसीलिए रात अचानक बीपी बढ़ गई और ये दुःखद हादसा हो गया। घटना की सूचना पर थाना पहुंचे पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, सीओ खागा अंशुमान मिश्र ने परिजनों को सांत्वना देने की साथ ही विभागीय सहायता उपलब्ध कराई। पीएम के बाद पुलिस लाइन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है।

चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल की छात्रा ने वैज्ञानिक बनने की राह पर बढ़ाये कदम

फ्तेहपुर । चिल्ड्रन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा नौ की छात्रा कशिश गुप्ता पुत्री राम खेलावन ने स्वचालित सेनिटाइजर मशीन बनाकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। कशिश गुप्ता ने बताया कि इस मशीन को टच किए बिना सेनेटाइज किया जा सकता है। उसने कहा ज्यादातर सैनेटाइजर प्रयोग करने के लिए लोग सेनेटाइजर को हाथ में लेकर प्रयोग करते हैं। इससे वायरस के संपर्क में आ सकता है लेकिन इस सेंसर युक्त सैनेटाइजर मशीन में किसी का हाथ टच किए बिना प्रयोग किया जा सकता है। वहीं विद्यालय की डायरेक्टर प्राची श्रीवास्तव ने कहा कि इस छात्रा के उत्साह को देखते हुए हमने यह निश्चय किया है कि हम इससे कई सेंसर युक्त सैनेटाइजर मशीन बनाएंगे। जिससे इस छात्रा ने जो प्रयोग किया है। वह जनपद में लोगों तक पहुंचे ताकि इस छात्रा का नाम पूरे जनपद में गौरवान्वित हो सके। बता दें कि कशिश गुप्ता के पिता रामखेलावन फ्तेहपुर के एक फार्मासिस्ट हैं। इस दौरान विद्यालय में कशिश गुप्ता ने इस सैनेटाइजर मशीन का प्रयोग करके विद्यालय के डायरेक्टर प्राची श्रीवास्तव सहित अन्य लोगों को दिखाया। इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक सुनील कुमार श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, डायरेक्टर प्राची श्रीवास्तव, उप प्रधानाचार्य वंदना सिंह, तबस्सुम सिद्दीकी, सौरभ श्रीवास्तव, समरीन, नीलम वर्मा, अनुज सिंह, अबसार अहमद, नीलेश कुमार, अरुणेंद्र ने कशिश के इस आविष्कार की सराहना की और प्रोत्साहित किया। इस दौरान विद्यालय के लोगों ने कशिश गुप्ता की सराहना किया और कहा कि यह छात्रा वैज्ञानिक बनने की राह पर खड़ी है अगर इसको सही प्लेटफॉर्म मिल जाएगा तो अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी।

धार्मिक व पौराणिक स्थलों से जल व मिट्टी एकत्र करने में जुटे विहिप-बजरंग दल कार्यकर्ता

अयोध्या में 05 अगस्त को प्रस्तावित श्रीराम मन्दिर आधारशिला में पहुँचाई जाएगी एकत्र सामग्री

फ्तेहपुर । विश्व हिन्दू परिषद/बजरंग दल के द्वारा सम्पूर्ण देश के सभी धार्मिक स्थल की मिट्टी, पवित्र नदियों का जल, ऐतिहासिक अमर शहीदों के शहीद स्मारक की पवित्र भूमि की मिट्टी का संग्रह करके अयोध्या भेजा जा रहा है जिससे बनने वाले भव्य श्री राम मंदिर निर्माण में शामिल किया जाएगा। यह कार्य 31 जुलाई तक करना है।

इसी कड़ी में महर्षि भृगु मुनि की तपोस्थली भिटौरा, अश्वनी कुमार की तपोस्थली असनी का गंगा जल और पवित्र मिट्टी, बावन इमली के अमर शहीदों के स्थल की पवित्र भूमि की मिट्टी, खागा क्षेत्र के मझिलगाँव स्थित प्राचीन शिवमन्दिर कुंडेश्वर धाम जहां हर वर्ष भव्य मेला लगता है पौराणिक इतिहास में यह रावण की तपोस्थली है। मेघनाद ने इन्हीं के आशीर्वाद से देवराज इन्द्र को जीता था तभी से उसका नाम इन्द्र जीत पड़ा। यहां रुद्रवंती जड़ीबूटी सभी बीमारी कि बल वर्धक संजीवनी है जो गर्मी में पाई जाती है। यहाँ के पूज्य संत चरण गोपालदास महाराज निरन्तर सेवारत है। खागा नगर के गढ़ी में अमर शहीद ठाकुर दरियांव सिंह 1857 की क्रांति के समय अंग्रेजो के छक्के छुड़ाते हुए 06 मार्च 1858 को अपने दर्जनों सैनिकों के साथ फ्तेहपुर के जिला कारागार में फाँसी के तख्तो पर झूल गए थे। उनके स्मारक की पवित्र मिट्टी, असोथर में अश्वथामा बाबा, जरौली कुंड के माता यमुना नदी का पवित्र जल, जागेश्वर बाबा के स्थान की मिट्टी, मीराबाई के तपोस्थली शिवराजपुर गंगा नदी का पवित्र जल, फ्तेहपुर नगर स्थित शिवजी विराजमान सिद्ध पीठ ताम्बेश्वर मंदिर की पवित्र भूमि की मिट्टी एकत्रित करके 31 जुलाई तक अयोध्या भेजने का निर्णय लिया गया है। इस कार्य में सभी जिला, नगर, प्रखंड, खंड उपखंड के कार्यकर्ता पदाधिकारी शामिल है।

अपने फैलाए जाल में फंसता ड्रैगन

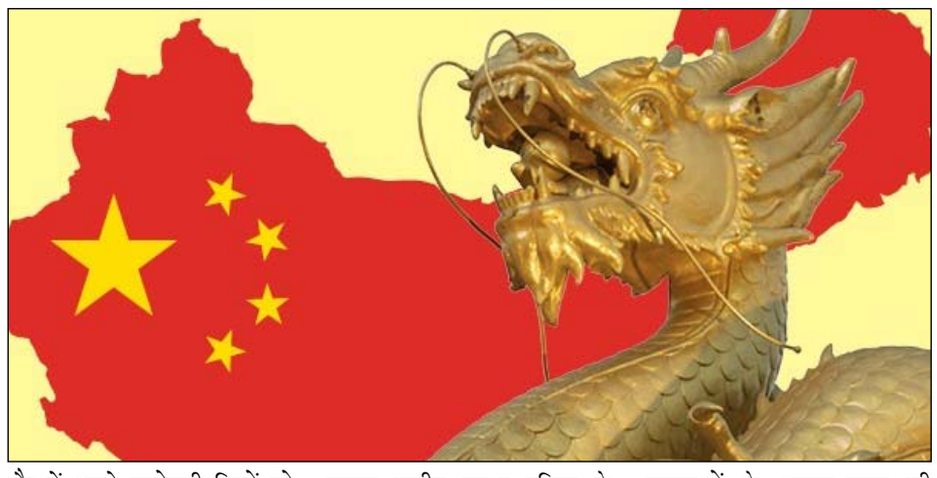

अभी जनवरी में ही हुआवेई को दूरसंचार क्षेत्र में सीमित कामकाज की अनुमति दी गई थी, लेकिन अपने इस फैसले को अचानक से पलटते हुए ब्रिटेन ने चीन की इस कंपनी पर अब प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। पाबंदी के तहत इस साल के अंत, यानी 31 दिसंबर से ब्रिटेन की मोबाइल-प्रदाता कंपनियां हुआवेई कंपनी से 5जी उपकरण नहीं खरीद सकेंगी, साथ ही ब्रिटिश दूरसंचार ऑपरेटर भी अपने यहां लगे सभी हुआवेई किट 2027 तक हटा लेंगे। ब्रिटेन के डिजिटल और संस्कृति मंत्री ओलिवर डाउडेन ने मई में अमेरिका द्वारा कंपनी पर लगाए गए प्रतिबंध को इसकी वजह बताया है। उनका कहना है कि चूंकि अमेरिकी पाबंदी से हुआवेई की आपूर्ति शृंखला को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है, इसलिए ब्रिटेन अब यह उम्मीद नहीं कर सकता कि कंपनी आने वाले दिनों में अपने 5जी उपकरणों की सुरक्षा की गारंटी दे सकेगी। ब्रिटेन के इस फैसले का अमेरिका ने तत्काल स्वागत किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने ब्रिटेन की सराहना करते हुए समान सोच रखने वाले अन्य देशों से भी बीजिंग के खिलाफ कार्रवाई करने का आह्वान किया है। दूसरी तरफ, बीजिंग ने ब्रिटेन के इस 'आधारहीन प्रतिबंध' का 'कड़ा विरोध' किया है और चेतावनी दी है कि अपनी कंपनियों के 'जायज हितों की रक्षा के लिए चीन तमाम कदम' उठाएगा, क्योंकि 'किसी भी फैसले या कार्रवाई की कीमत जरूर चुकानी पड़ती है'। देखा जाए, तो ब्रिटेन की सरकार अपने फैसले की कीमत साफ-साफ समझ भी रही है, क्योंकि इस पाबंदी के बाद वहां 5जी के विस्तार में अब वक्त लगेगा। इस फैसले से उसे रणनीतिक नुकसान भी होगा, क्योंकि उससे चीन का साथ छूट सकता है। यह सब ऐसे वक्त में होगा, जब ब्रेग्जिट-बाद के दौर में अपने कारोबारी रिश्तों को बढ़ाने के लिए ब्रिटेन दुनिया की तमाम बड़ी ताकतों से रिश्ते मजबूत करना चाह रहा है। बहरहाल, ट्रंप प्रशासन द्वारा मई में हुआवेई पर नई पाबंदी लगाने के बाद से उसके सेमीकंडक्टर की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिसके कारण ब्रिटेन में उसकी लागत बढ़ गई है। फिर, बोरिस जॉनसन सरकार को सुरक्षा समीक्षा के एक नए दौर के लिए भी जाना जाता है, जिसकी झलक राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के फैसले में दिखी और पाबंदी का यह कदम उठाया गया। ब्रिटेन-अमेरिका संबंध भी इस फैसले की एक वजह है, क्योंकि जनवरी में जब हुआवेई को ब्रिटेन में कारोबार की अनुमति दी गई थी, तब ट्रंप प्रशासन ने यह साफ कर दिया था कि लंदन के साथ वाशिंगटन के 'विशेष रिश्ते' की समीक्षा की जाएगी। इससे न सिर्फ दोनों देशों के बीच सुरक्षा और खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान की डोर प्रभावित होती, बल्कि अमेरिका-ब्रिटेन में व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत पर भी प्रतिकूल असर पड़ता। जाहिर है, ब्रिटेन का नया रुख ट्रंप प्रशासन के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत है, क्योंकि अमेरिका-चीन विवाद पर तटस्थ रुख अपनाने वाले अन्य देशों को भी इसी तरह से मनाया जा सकता है। पिछले दो दशकों से ब्रिटेन में कारोबार कर रही हुआवेई के लिए यकीनन यह एक मुश्किल घड़ी है। इससे यूरोप में उसका कारोबार प्रभावित हो सकता है, जहां कुल वैश्विक बिक्री का करीब एक चौथाई उत्पाद वह बेचती है। फ्रांस ने भी सीमित अवधि के लिए लाइसेंस जारी करने की व्यवस्था करके हुआवेई-5जी उपकरणों के इस्तेमाल को सीमित करने का फैसला किया है। इसे भी कंपनी पर एक वास्तविक प्रतिबंध के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि फ्रांस सरकार ने इसे सीधे-सीधे नहीं कुबूला है। जर्मनी भी हुआवेई पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है, क्योंकि पूरे यूरोप में चीन के खिलाफ नकारात्मक माहौल बन गया है। वर्षों तक बीजिंग की जी-हुजूरी करने वाला यूरोपीय संघ भी अब उसके खिलाफ मुखर है। उसकी नाराजगी की वजह कोविड-19 के खिलाफ शुरुआत में बीजिंग द्वारा ढीला रवैया अपनाने से लेकर हांगकांग में नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को लेकर यूरोप में चलाया गया भ्रामक अभियान है। अब चीन को एक 'सार्वभौमिक दुश्मन' के रूप में देखा जा रहा है, जो तमाम समझौतों, नियमों और संस्थानों के साथ-साथ मौजूदा वैश्विक व्यवस्था को चुनौती देने पर आमादा है। साफ है, जो लड़ाई अब तक वाशिंगटन अकेले लड़ता हुआ दिख रहा था, उसमें कई दूसरे राष्ट्र भी शामिल हो गए हैं। इससे युद्ध का मैदान पूरी तरह से बदल गया है। भारत की प्रतिक्रिया पर भी खूब नजर है। पिछले साल नई दिल्ली ने हुआवेई को 5जी ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी थी, जो कोविड-19 संक्रमण की वजह से संभव नहीं हो सका। मगर अब सीमा-विवाद और नई दिल्ली की चिंताओं के प्रति बीजिंग की बेरुखी के कारण भारत-चीन द्विपक्षीय रिश्तों का ताना-बाना पूरी तरह से बदल गया है। नई दिल्ली का सख्त रुख कायम है और संभावना यही है कि हुआवेई को शायद ही भारत में 5जी नेटवर्क लागू करने की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। नई दिल्ली यह संकेत दे रही है कि महत्वपूर्ण निर्माण-परियोजनाओं में चीनी कंपनियों की भागीदारी को सीमित करने या रोकने का मतलब यदि आर्थिक और तकनीकी नुकसान है, तब भी भारत यह कीमत चुकाने को तैयार है। मगर बीजिंग पर भी इसका खूब असर होगा, क्योंकि वह एक ऐसे बाजार से हाथ धो लेगा, जहां आने वाले वर्षों में चीन के बाद सबसे अधिक 5जी उपभोक्ता होंगे। यूरोपीय बाजार से बाहर होने के बाद यह हुआवेई के लिए एक विनाशकारी झटका हो सकता है। साफ है, हुआवेई पर पाबंदी महज एक तकनीकी या आर्थिक मसला नहीं है, बल्कि कई देशों के लिए यह एक राजनीतिक फैसला है। कारोबारी और प्रौद्योगिकी रिश्ते को हथियार बनाने का चीन का फैसला ही अब उसके खिलाफ जाता दिख रहा है। कई मुल्क अब जैसे को तैसा की रणनीति आजमाने लगे हैं।

सम्पादकीय

संरक्षणवाद नहीं है

पिछले तीन दशकों से चल रहे भूमंडलीकरण के दौरान देश के उद्योगों का संरक्षण कठिन माना जा रहा था. कहा जा रहा था कि मुक्त व्यापार ही अर्थव्यवस्था की समस्त समस्याओं का समाधान है. तर्क यह था कि यदि टैरिफ अथवा गैर-टैरिफ बाधाओं द्वारा अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बाधित किया जाता है तो यह अक्षमता को बढ़ावा देगा, क्योंकि उन्हें प्रतिस्पर्धी बनने के लिए कोई प्रोत्साहन ही नहीं मिलेगा. कोरोना काल में भारत और दुनिया में आर्थिक गतिविधियों के संचालन के प्रति सोच में बड़ा बदलाव आया है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि इस संकट में देश को सबसे बड़ा सबक आत्मनिर्भर बनने का मिला है. कोरोना काल में मनुष्य और सामानों की आवाजाही बाधित हुई है. ऐसे में हमें लोकल के प्रति सम्मान का भाव रखते हुए उसके लिए आग्रही और मुखर होना पड़ेगा. हमारे देश का हर जिला, हर प्रांत और यहां तक कि प्रत्येक गांव की अपनी एक विशिष्टता रही है. प्रोत्साहन के अभाव में इन जिलों की विशेषताएं विलुप्त हो रही हैं. स्थानीय स्तर पर विशिष्ट कृषि उत्पादों के प्रोत्साहन, भंडारण और बाजार की उचित व्यवस्था न होने के कारण उनका सही लाभ किसानों को नहीं मिल पाता. वहीं दूसरी ओर, उनके निर्यात की संभावनाएं भी समाप्त हो जाती हैं. जहां तक मैन्युफैक्चरिंग का प्रश्न है, तो देश के अनेक जिले आधुनिक और परंपरागत उद्योगों के लिए जाने जाते हैं. चीनी डंपिंग और सरकारी अनदेखी, लालफीताशाही, इंस्पेक्टर राज, वित्त की कमी, नयी प्रौद्योगिकी तक पहुंच का अभाव आदि कई ऐसे कारण हैं, जो इन कलस्टरों के क्षरण का कारण बने हैं. आज जब आत्मनिर्भरता की बात हो रही है तो हमारे स्थानीय उत्पादों की विशेषताओं के अनुसार उनके संरक्षण और संवर्द्धन हेतु प्रयासों की बात भी हो रही है. केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संरक्षण एवं संवर्द्धन के प्रयासों के साथ उन क्षेत्रों के स्थानीय जन प्रतिनिधि यदि इन उत्पादों को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे तो स्वभाविक रूप से इन उद्यमों को एक नया जीवन मिलेगा. इससे देश में रोजगार और आय की संवृद्धि होगी और लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा. चीन से आयातित होनेवाली अधिकांश वस्तुएं ऐसी हैं जिनका देश में उत्पादन संभव है. कई ऐसी भी हैं, जिनका देश में भरपूर उत्पादन होता है, जैसे स्टील, केमिकल्स, मशीनरी, वाहन, उर्वरक, कीटनाशक आदि. कइयों के लिए विशिष्ट प्रौद्यागिकी की भी जरूरत नहीं. जीरो टेक्नॉलोजी उत्पादों का देश में तुरंत उत्पादन शुरू हो सकता है. एक्टिव फार्मास्यूटिकल इनग्रेडिएंट्स यानी दवा उद्योगों के कच्चे माल का उत्पादन भारत में पहले से होता रहा है. इनके पुनरुत्थान के लिए सरकार पहले ही 11000 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना लागू कर चुकी है. इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलिकॉम, मोबाइल फोन, अन्य उपभोक्ता वस्तुएं आदि के उत्पादन के लिए भी सरकार अनुकूल योजनाएं बना सकती है.

नये उद्योगों के पनपने के लिए विदेशों से आने वाले माल पर आयात शुल्क थोड़ा-बहुत बढ़ाना होगा, जरूरी होने पर एंटी डंपिंग और सेफगार्ड ड्यूटी भी लगानी होगी, विदेशी घटिया माल को रोकने हेतु मानक भी लगाने होंगे. भारत को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प और प्रयासों को कई लोग शंका की निगाह से देख रहे हैं. उनका मानना है कि भूमंडलीकरण के दौर में हम दुनिया से इस हद तक जुड़े हुए हैं कि हमारा आत्मनिर्भर बनने का प्रयास प्रतिगामी और आत्मघाती सिद्ध हो सकता है. यदि चीन से आने वाले कलपुर्जों का आयात रोका जायेगा तो हमारे उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा. देश में उत्पादन बढ़ाकर आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को पूरा करना संरक्षणवाद नहीं है. समझना होगा कि 1991 की नयी आर्थिक नीति से पूर्व का संरक्षणवाद, अकुशल औद्योगीकरण का कारण बना. उस कालखंड में भारत में भारी आयात शुल्क (सौ से छह सौ प्रतिशत) लगाया जाता था, जो वास्तव में कुशलता निर्माण के लिए बाधक कहा जा सकता है. डब्ल्यूटीओ के अस्तित्व में आने के बाद ऊंचे आयात शुल्कों का युग समाप्त हो चुका है. भारत डब्ल्यूटीओ के नियमों से बंधा हुआ है. लेकिन डब्ल्यूटीओ में भी उद्योगों को आगे बढ़ाने और उन्हें गैर-बराबरी प्रतिस्पर्द्धा से बचाने के प्रावधान हैं. डब्ल्यूटीओ के नियमानुसार, भारत के पास औसतन 40 प्रतिशत आयात शुल्क की अनुमति है, जबकि हमारे औसत आयात शुल्क 10 प्रतिशत से भी कम हैं. इन्हीं प्रावधानों के अंतर्गत भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल फोन, उपभोक्ता वस्तुओं आदि पर आयात शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया और आयातों में भारी कमी कर ली. पिछले दो वर्षों में भारत का चीन से व्यापार घाटा 63.2 अरब डॉलर से घटकर 48.6 अरब डॉलर रह गया है. लगभग सभी देश अपने उद्योगों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधायें लगाते हैं, तो भारत क्यों नहीं लगा सकता. जब अन्य देश व्यापार युद्ध के नाम पर आयात शुल्क बढ़ा रहे हों तो भारत का एकतरफा मुक्त व्यापार, आत्मघाती सिद्ध होगा।

नौकरशाही में जल्द हो सुधार

कोरोना वायरस से उत्पन्न संकट ने बिहार को कई तरह से प्रभावित तो किया ही है, साथ ही सिस्टम में कई स्तर पर व्याप्त गंभीर त्रुटियों को भी उजागर कर दिया है. बिहार जैसे राज्यों में जहां संसाधन कम हैं, परंतु आबादी घनी है. वहां नौकरशाही समेत प्रशासनिक तंत्र के विभिन्न स्तर पर मौजूद अक्षमता के घातक परिणाम देखने को मिल सकते हैं. बिहार की वर्तमान शासन प्रणाली में राजनीतिक नेतृत्व के विचारों और योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने में शीर्ष नौकरशाहों से लेकर निचले स्तर तक के कर्मचारियों पर निर्भरता काफी अधिक है. ऐसा संभवतः लोकतांत्रिक व्यवस्था का जमीनी स्तर पर कमजोर होने के कारण भी है. केरल जैसे अन्य राज्यों की तुलना में बिहार में पंचायत स्तर की राजनीतिक व्यवस्था की परिपक्वता कम है. दूसरे तरफ, राजनीतिक पार्टी कैडर्स की शासन व्यवस्था पर पकड़ कम होने के कारण जनता की भी निर्भरता नौकरशाह एवं कर्मचारियों पर काफी बढ़ जाती है. फिर नौकरशाहों पर आधारित प्रशासनिक तंत्र राजनीतिक कैडर्स की जगह ले लेते हैं. ऐसी व्यवस्था में नौकरशाहों की अक्षमता एवं नक्कारापन विकास की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बनकर खड़ा दिखता है. हम बिहार की शासन व्यवस्था में कार्य कर रहे नौकरशाहों के काम करने के तौर-तरीके एवं क्षमता के आधार पर उसे चार प्रकार के समूहों में बांट सकते हैं. पहला एक वह समूह है, जो ईमानदार भी है और काम करने में भी कुशल हैं. हालांकि, इनकी संख्या बहुत ही सीमित है. ऐसे लोगों को सहेज कर रखने की जरूरत है. दूसरे प्रकार के समूह में ऐसे लोग हैं जो ईमानदार तो हैं, परंतु कार्य को संपादित कर पाने में अक्षम हैं. अतः इनकी उपादेयता कम रह जाती है. तीसरा, ऐसे नौकरशाह हैं जो बेईमान तो हैं, परंतु कार्य को संपादित कर देते हैं. वर्तमान में अधिकांशतः जो कार्य होते हुए दिख रहा है, उसमें इस प्रकार के नौकरशाहों की प्रमुख भूमिका होती है. हम गौर करें, तो ऐसे नौकरशाह अपनी सफलता ऐसे विभागों में अधिक दर्ज करते हैं, जहां कार्य का निष्पादन ठेकेदारों के माध्यम से करवाना होता है. रोचक बात है कि इसमें भी वैसे नौकरशाहों की पूछ बनी रहती है, जो राजनीतिक तंत्र के साथ सामंजस्य बनाने में सफल होते हैं. इन सब समूहों से परे चौथे, ऐसे नौकरशाह हैं, जो बेईमान तो हैं ही, साथ ही हर प्रकार से अक्षम भी हैं. प्रशासनिक तंत्र में जो कुछ थोड़ा-बहुत अच्छा है, इन सबका योगदान उसको भी बर्बाद करने में रहता है. ऐसे ही अक्षम लोग ही यह पूरे सिस्टम को अपनी कार्यशैली से बिल्कुल पंगु बना देते हैं. वर्तमान में कोरोना संकट के बीच लचर होती राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था और हर साल की भांति इस बार भी आये बाढ़ के कहर ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है. कोरोना महामारी और बाढ़ संकट के बीच आपदा प्रबंधन में प्रशासनिक व्यवस्था की विफलता से एक बार फिर नौकरशाहों की कार्यप्रणाली की तरफ लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ है. बिहार में प्रशासनिक तंत्र जहां पूरे संकट के दौरान अपनी कागजी खानापूर्ति में अधिक दिख रहा है, वहीं पुलिस तंत्र नियमों के उल्लंघन में जुर्माना वसूली एवं आर्थिक दंड को सफलता के प्रतीक के रूप में देख रही है. राजनीतिक तंत्र और नौकरशाही के बीच समुचित सामंजस्य नहीं होने के कारण जमीनी स्तर पर कार्यों का निष्पादन जटिल हो चुका है. साथ ही जनता और शासन व्यवस्था के बीच जो संवाद राजनीतिक स्तर पर आसानी से हो सकता है, वह नौकरशाही के जाल में उलझ गया है. संभावना यह भी है कि आनेवाले चुनाव में ये सभी मुद्दे प्रमुखता के साथ उठाये जायें. वर्तमान संकट के बीच प्रस्तावित बिहार विधानसभा चुनाव कई मायने में महत्वपूर्ण है. पंद्रह साल के लालू-राबड़ी शासन के विरोध में उपजे माहौल के साथ आयी नीतीश कुमार के नेतृत्व की सरकार के 15 साल इस बार पूरे हो जायेंगे. सामाजिक जीवन में 30 साल का समय काफी लंबा वक्त होता है. इसमें उठाये गये सरकारी कदम कई पीढ़ियों को प्रभावित करते हैं. इस बार ऐसा प्रतीत होता है कि आनेवाले चुनाव में सत्तापक्ष जहां एक ओर, इस चुनाव को लालू-राबड़ी के शासन बनाम नीतीश के 15 साल के तुलनात्मक शासनकाल की चर्चा को चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है. वहीं, अन्य विपक्षी दल वर्तमान संकट से जुड़ी परेशानियों समेत नीतीश सरकार के शासन के विभिन्न पहलू को अलग-अलग तरीके से मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं. ऐसे हालात में अगर हम इस अवधि का सही मूल्यांकन करें, तो यह स्पष्ट है कि कि नीतीश कुमार के शासन काल में कई ऐसे कार्य हुए हैं, जिसने बिहार के विकास को एक दिशा दी है. लेकिन, वहीं नौकरशाही के निकम्मेपन ने राजनीतिक प्रयासों को जमीनी स्तर तक पहुंचने से पहले ही विफल कर दिया. इस साफ तौर पर देखा जा सकता है. लोकतांत्रिक व्यवस्था में अगर देखा जाये, तो राजनीतिक लोगों का कैरियर नौकरशाहों के तुलना में छोटा तो होता ही है, साथ ही उनकी जनता की जरूरतों के प्रति जवाबदेही की लगातार समीक्षा अलग-अलग स्तरों पर होती रहती है. ऐसे में काम करने की जल्दीबाजी और तत्परता चुनावी प्रक्रिया से चुनकर आये लोगों में नौकरशाहों की तुलना में अधिक रहती है. अतः जरूरत है कि राजनीतिक तंत्र अपेक्षाकृत सक्षम हो और उसकी निर्भरता बेकार एवं अनुपयोगी नौकरशाही पर कम से कम हो. वर्तमान संकट की अवधि में चुनावी साल का समय होने के कारण बिहार की शासन व्यवस्था में कई पहलुओं के सुधार करने पर विचार करने का एक मौका है. अब राजनीतिक नेतृत्व शासन व्यवस्था में राजनेताओं की तुलना में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त नौकरशाहों पर अधिक निर्भर है, ऐसे में नौकरशाही तंत्र को और अधिक सक्षम कैसे बनाया जाये, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

बढ़ते संकट के बीच उम्मीद की किरण

भारत में 'न्यू नॉर्मल' आखिर कैसा होगा? देश में कोरोना-संक्रमित मरीजों की बढ़ रही संख्या को देखकर अभी इस पर चर्चा मुफीद नहीं मानी जाएगी। हालांकि, जिस तरह से महामारी के शुरू होते ही लोगों की जान बचाने की सोच सबसे महत्वपूर्ण थी, उसी तरह अब सामाजिक ताने-बाने और अर्थव्यवस्था को बचाए रखने के लिए आगे बढ़ना भी जरूरी है। दरअसल, गलत सूचनाओं के कारण भय का माहौल बनता-बिगड़ता गया है। इसलिए, यह समझना जरूरी है कि आखिर हम जानते क्या हैं? कोरोना वायरस ने दुनिया भर में कई लोगों को अपना शिकार बनाया है। अब तक छह लाख से अधिक मरीजों की इससे मौत हो चुकी है। मगर संक्रमण की वास्तविक संख्या ज्ञात मामलों से कहीं अधिक है, और हमारे लिए यह जानना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसने बीमारी की मृत्यु-दर को लेकर कई गलत धारणाएं पैदा की हैं। मसलन, दिल्ली में एंटीबॉडी डाटा (यह हमें उस आबादी के बारे में बताता है, जो इस वायरस की चपेट में आई और ठीक भी हो गई) के मुताबिक, यहां के 20 से 30 लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं। इसकी तुलना जब हम यहां ज्ञात 1.3 लाख से अधिक मामलों और चार हजार से कम मौत से करते हैं, तो अंतर हमें चौंकाता है। एंटीबॉडी डाटा के हिसाब से यहां मृत्यु-दर 0.2 प्रतिशत से भी कम है, जबकि ज्ञात मामलों के मुताबिक, करीब तीन फीसदी। साबित यह भी हो चुका है कि जब बड़े पैमाने पर जांच की जाती है, जैसे अब अमेरिका में हो रहा है, तो 99 फीसदी से अधिक मरीज ठीक हो जाते हैं।

इसी तरह, किसी इंसान के कोविड-19 से मरने का अतिरिक्त जोखिम भी किसी अन्य वजह से जान गंवाने की आशंका से कम है। जैसे, एक भारतीय नौजवान के लिए कोरोना से मरने का खतरा किसी सड़क दुर्घटना से मौत से अधिक नहीं है। वहीं, भारतीय युवती के लिए गर्भावस्था के दौरान मृत्यु की आशंका इसकी तुलना में कहीं ज्यादा है। अपने यहां किसी 70 वर्षीय बुजुर्ग पुरुष के मरने का खतरा पहले से ही पांच फीसदी या इससे अधिक होता है, जिसमें कोविड-19 सिर्फ एक फीसदी का अतिरिक्त जोखिम बढ़ा रहा है।

हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि समस्या कोई छोटी है। दूसरे शब्दों में कहें, तो महामारी के दौरान मृत्यु का वार्षिक जोखिम दोगुना हो रहा है। इसके अलावा, यह जोखिम उन लोगों में भी पसर रहा है, जो हमारे आसपास हैं। असली समस्याएं तो तब शुरू होती हैं, जब बीमारी इतनी तेजी से फैलने लगे कि वह पूरे स्वास्थ्य ढांचे को प्रभावित करना शुरू दे। तब मौतें सिर्फ महामारी की वजह से नहीं, बल्कि अन्य कारणों से भी होने लगती हैं, जिनसे सामान्य दिनों में बचा जा सकता है। लिहाजा 'न्यू नॉर्मल' का मकसद नागरिकों की जान की सुरक्षा होना चाहिए। इसके लिए उचित सावधानी बहुत जरूरी है, ताकि कोरोना का भयावह प्रसार न हो। तमाम स्कूलों, कॉलेजों, रेस्तरां और मॉल आदि के खुलने के साथ जब हम सामान्य जीवन की ओर पहला कदम बढ़ाएंगे, तब कोविड-19 के मामलों में भी वृद्धि होगी और मौत का आंकड़ा भी बढ़ेगा। जब तक हमारे पास प्रभावी इलाज या टीका नहीं उपलब्ध होगा, हमें इस अप्रिय सच को स्वीकार करना ही होगा। ऐसे में, सार्वजनिक स्थानों पर मास्क का इस्तेमाल संभवतः जोखिम कम करने का सबसे महत्वपूर्ण उपाय होगा। अब तक यह साफ हो चुका है कि छींक या खांसी के दौरान मुंह से निकलने वाली बड़े आकार की ड्रॉपलेट, यानी पानी की छोटी-छोटी बूंदों से संक्रमण फैलने की आशंका अधिक होती है, लेकिन ये बूंदें जल्द ही जमीन पर बैठ भी जाती हैं। चूंकि सामान्य बातचीत में हमारे मुंह से महीन आकार की ड्रॉपलेट निकलती हैं, जिससे संक्रमित होने की आशंका बहुत कम होती है, लेकिन ये बूंदें अपेक्षाकृत ज्यादा समय तक हवा में तैरती भी रहती हैं, जिसके कारण बंद, भीड़भाड़ और गैर-हवादार जगहों पर संक्रमण का जोखिम बढ़ सकता है। मगर मास्क पहनने से न सिर्फ ये बूंदें हवा में कम जाती हैं, बल्कि जो हमारे आसपास हैं, उन्हें भी खतरा कम होता है। ड्रॉपलेट के प्रसार को हवा में रोकने के लिए कोई भी सामान्य मास्क कारगर है, जबकि एन 95 मास्क की जरूरत उन्हें है, जो चाहते हैं कि हवा में मौजूद ड्रॉपलेट उनकी सांसों में न जाए। लिहाजा, अगर हर इंसान सामान्य मास्क भी पहनने लगे, तो एन-95 मास्क की जरूरत नहीं होगी। यह न सिर्फ संक्रमण के प्रसार को थामने की बेहतर रणनीति है, बल्कि संक्रमण की भयावहता भी कम कर सकती है, क्योंकि अधिक मात्रा में वायरस के संपर्क में आने से अधिक गंभीर बीमार पड़ने की आशंका होती है।

बचाव का एक अन्य उपाय है, बंद जगहों पर लोगों की संख्या नियंत्रित करते हुए ऐसी व्यवस्था करना कि वहां अधिक से अधिक स्वच्छ हवा आए। एकाध महीने में गरमी खत्म हो ही जाएगी, इसलिए वातानुकूलित इमारतों में तापमान से कोई समझौता किए बिना हम ताजा हवा पहुंचा सकते हैं। हालांकि, रेस्तराओं में (जहां मास्क पहनना संभव नहीं) कुछ समस्याएं आ सकती हैं, क्योंकि वे इस तरह से बनी होती हैं कि बिना आर्टिटेक्ट या इंजीनियर से उनमें बदलाव संभव नहीं। मगर, ताजा हवा न आने की सूरत में ऐसे उपाय किए जा सकते हैं कि बंद कमरे की हवा बार-बार बदलती रहे।

हमें कोविड-19 को कलंक मानने की मानसिकता से भी ऊपर उठना होगा। अधिकांश संक्रमित मरीज घर पर ही आइसोलेट होकर ठीक हो सकते हैं, और इसके लिए पड़ोसियों को घबराने की जरूरत नहीं है। रिवर्स आइसोलेशन भी एक विकल्प है, जिसमें उच्च जोखिम वाले लोग थोड़े दिनों के लिए खुद-ब-खुद अलग-थलग हो जाते हैं। वैसे, अधिकाधिक संक्रमण उम्मीद की किरण है, क्योंकि यदि हमने इसका बेहतर प्रबंधन कर लिया, तो हमारे पास ऐसे लोगों की संख्या ज्यादा होगी, जिनमें इस वायरस के खिलाफ प्रतिरोधक ताकत होगी। हालांकि, यह 'हर्ड इम्यूनिटी' अवस्था अभी चंद कदम दूर है, लेकिन 'लोकल इम्यूनिटी' बड़े प्रकोप को थामने के लिए पर्याप्त हो सकती है। जाहिर है, आपदा का यह आकार हमारे लिए अब भी अवसर बन सकता है, बशर्ते 'न्यू नॉर्मल' के बारे में अभी से सोचा जाए।

धोनी और रिकी पोंटिंग में से कौन है बेस्ट

शाहिद अफरीदी ने तर्क के साथ दी अपनी बेबाक राय

नई दिल्ली, एजेंसी। धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने बेशुमार कामयाबियां हासिल की। बेशक वो इन दिनों टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं, लेकिन वो चर्चा में बने ही रहते हैं। क्रिकेट एक्सपर्ट से लेकर फैंस तक उनकी बातें करते ही रहते हैं। पाकिस्तान के क्रिकेटर्स भी धौनी के बारे में बात करते रहते हैं। अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी अपने फैंस से रूबरू हुए और उनसे सवालों का जवाब दिया। इस दौरान एक क्रिकेट फैन ने अफरीदी से पूछा कि वो एम एस धौनी और रिकी पोंटिंग में से किसे बेस्ट कप्तान मानते हैं। इस सवाल का जवाब देते हुए अफरीदी ने धौनी को पोंटिंग से ज्यादा बेहतर कप्तान बताया। अफरीदी ने तर्क दिया कि धौनी ने एक ऐसी टीम बनाई जिसमें युवा खिलाड़ियों की भरमार थी। उन्होंने लिखा कि मैं धौनी को पोंटिंग से मुकाबले ज्यादा बेहतर मानता हूं। एम एस धौनी दुनिया के एकमात्र कप्तान हैं जिन्होंने आइसीसी के तीनों बड़े टूर्नामेंट्स चैंपियंस ट्रॉफी, टी20 वर्ल्ड कप और वनडे वर्ल्ड कप में जीत हासिल की है। सौरव गांगुली की कप्तानी में अपने करियर की शुरुआत करने वाले धौनी का आगाज अच्छा नहीं रहा था, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ उन्हें एक वनडे मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया और उसमें उन्होंने जो पारी खेली उसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2007 में सचिन की सलाह पर उन्हें टीम इंडिया का कप्तान बनाया गया और इसी साल उन्होंने भारत को टी20 वर्ल्ड कप में जीत दिला कर शानदार शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने 28 साल के बाद भारत को फिर से 2011 में वनडे वर्ल्ड कप दिलाया और फिर साल 2013 में भारत ने उनकी कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भी जीता। धौनी अब यूएई में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करते नजर आएंगे। आइपीएल 2020 इस साल यूएई में 19 सितंबर से खेला जाएगा।

आईपीएल 2019 में एक योजना के तहत इंग्लैंड के खिलाड़ियों को खेलने दिया गया था

इयोन मोर्गन ने खोला राज

चेन्नई, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने साल 2019 में पहली बार इयोन मोर्गन की कप्तानी में वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। अब इंग्लैंड के वनडे व टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान इयोन मोर्गन ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड टीम के उनके साथी खिलाड़ियों को आइपीएल 2019 में खेलना हमारी योजना का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि ये एक सोची समझी योजना थी और इंग्लैंड के खिलाड़ी आइपीएल में खेले थे। इसने उनकी टीम की पहली वनडे वर्ल्ड कप जीत में बड़ी भूमिका निभाई। मोर्गन ने कहा कि उन्होंने ईसीबी की क्रिकेट समिति के अध्यक्ष एंड्रयू स्ट्रॉल से आग्रह किया था कि खिलाड़ियों को खेलने दिया जाए क्योंकि उनका ऐसा मानना था कि वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में होने वाले दवाब की बराबरी सिर्फ आइपीएल में की जा सकती है। मोर्गन ने हर्षा भोगले से बात करते हुए कहा कि आइपीएल में खेलना स्ट्रॉस की योजना का हिस्सा था। मैंने उनसे यह फैसला करने का आग्रह किया था क्योंकि अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय सीरीज में चैंपियंस ट्रॉफी या वर्ल्ड कप दोहराना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि स्ट्रॉस ने मुझसे पूछा कि इसमें अलग क्या है। एक तो आप विदेशी खिलाड़ी के रूप में खेलते हो तो आप से काफी अपेक्षाएं होती हैं। अगर आप आइपीएल में खेलते हैं तो वहां अलग तरह का दबाव और अलग तरह की उम्मीदें होती हैं। कभी-कभी आप इससे बच नहीं सकते और आपको इससे निपटने का तरीका खोजना होता है। इंग्लैंड ने पिछले साल घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड को हराकर अपना पहला वनडे विश्व कप खिताब जीता था। मोर्गन ने कहा कि आइपीएल खिलाड़ियों को उनकी सहज स्थिति से बाहर निकलकर प्रदर्शन करने में मदद करता है। इस लीग में हमारे खिलाड़ियों को पूरी दुनियाभर के प्लेयर्स के साथ खेलने का मौका मिला। इसकी वजह से उन्होंने काफी कुछ सीखा साथ ही साथ दवाब को किस तरह से हैंडल किया जाता है ये भी सीखने का भरपूर मौका मिला।

हेजलवुड की भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट इलेवन में 4 भारतीय कोहली से पहले बल्लेबाजी क्रम में स्मिथ का नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया को दुनिया की दो सबसे ताकतवर क्रिकेट टीमों में गिना जाता है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने दोनों टीमों को मिलाकर एक प्लेइंग इलेवन तैयार की है जिसमें उन्होंने तीसरे नंबर पर स्टीव स्मिथ जबकि चौथे पर बल्लेबाजी के लिए विराट कोहली को चुना है। हेजलवुड की इस टेस्ट प्लेइंग इलेवन में सिर्फ चार भारतीय को ही जगह दी गई है। दो खिलाड़ियों को विकल्प के तौर पर रखा है। पारी की शुरुआत करने के लिए ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाज ने डेविड वार्नर के साथ मयंक अग्रवाल को चुना है। वहीं तीसरे नंबर पर स्टीव स्मिथ को मौका दिया है जबकि वह ऑस्ट्रेलिया के लिए चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं। विराट कोहली भी आम तौर पर चौथे नंबर पर ही बल्लेबाजी करते हैं और इस टीम में भी उनको यही स्थान दिया गया है। टीम इंडिया के लिए तीसरे नंबर पर आने वाले चेतेश्वर पुजारा का नाम बल्लेबाजी क्रम में कोहली के बाद 5वें नंबर पर रखा है। इसके बाद बल्लेबाजी क्रम में भारतीय धुरंधर रोहित शर्मा और ऑस्ट्रेलिया के युवा स्टार मार्नस लाबुशाने का नाम रखा गया है। इन दोनों में से किसी एक को अगर नंबर 6 पर खेलना हुआ तो कंगारू बल्लेबाज का पलड़ा भारी लगता है। गेंदबाजी में अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन और भारतीय दिग्गज आर अश्विन के बीच किसी एक को ही प्लेइंग इलेवन में जगह मिलेगी। दोनों को ही स्पिनर के तौर पर रखा गया है। तेज गेंदबाजी की बात करें तो पैट कमिंस के साथ हेजलवुड ने अपना नाम टीम में रखा है। वहीं भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी प्लेइंग इलेवन में जगह दी है। मयंक अग्रवाल, डेविड वार्नर, स्टीव स्मिथ, विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा, मार्नस लाबुशाने या रोहित शर्मा, नाथन लियोन या आर अश्विन, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और जसप्रीत बुमराह।

रोहित शर्मा को जल्दी आउट नहीं किया तो फिर वे बड़ा स्कोर बनाते हैं

कीवी गेंदबाज का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। हर कोई इस बात से वाकिफ है कि भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा कितने घातक खिलाड़ी हैं। अगर वे एक बार अपनी लय पकड़ लेते हैं तो फिर गेंदबाजों के लिए उनको आउट करना मुश्किल हो जाता है। रोहित शर्मा के वनडे और टी20 क्रिकेट के आंकड़े भी इसी तरह की गवाही देते हैं, क्योंकि वे दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं, जिन्होंने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में एक नहीं, बल्कि तीन दोहरे शतक जड़े हैं। वनडे इंटरनेशनल मैच की एक पारी में सबसे बड़ा निजी स्कोर (264 रन) खड़ा करने का विश्व रिकॉर्ड भी रोहित शर्मा के ही नाम है, जबकि टी20 क्रिकेट में वे चार शतक जड़ चुके हैं। इस बीच न्यूजीलैंड टीम के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने रोहित शर्मा की तारीफ की है और उनको दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक बताया है।

फर्ग्यूसन का मानना है कि अगर एक बार रोहित शर्मा अपनी लय पकड़ लेते हैं तो फिर उनको आउट करना कठिन है। फर्ग्यूसन ने कहा है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के पास लाइन और लेंथ पढ़ने की बेहतरीन क्षमता है। इंस्टाग्राम पर लाइव चैट करते हुए एक इंटरव्यू के दौरान फर्ग्यूसन ने कहा है, रोहित को मैं हमेशा से चुनौतीपूर्ण मानता हूं। मैं रोहित का बड़ा प्रशंसक हूं, मुझे लगता है कि वो एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। उनके साथ ऐसा है, अगर आप उनको जल्दी आउट नहीं करते हैं, तो वे बड़ा स्कोर बनाते हैं। वे इस समय विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। रोहित शर्मा ही नहीं, कीवी गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने विराट कोहली, स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर को भी शानदार बल्लेबाजों की श्रेणी में रखा है। उन्होंने कहा है, स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर, विराट कोहली- ये भी विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। उनके खिलाफ गेंदबाजी करना हमेशा कठिन होता है, लेकिन जब आप शीर्ष क्रम को आउट करते हैं तो अच्छा लगता है और आपको मध्यक्रम और निचले क्रम के खिलाफ गेंदबाजी करने का मौका मिलता है।

संजू सैमसन के कोच ने बताया क्यों रिषभ पंत को भारतीय टीम में मिलते हैं ज्यादा मौके

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धौनी ने जब से क्रिकेट से दूरियां बनाई हैं, तभी से उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रिषभ पंत को मौका दिया जा रहा है। यहां तक कि रिषभ पंत को धौनी के रहते हुए प्लेइंग इलेवन में भी शामिल किया गया है। वहीं, संजू सैमसन जैसे विकेटकीपर बल्लेबाज ने ज्यादा मौकों पर अपनी बारी का इंतजार किया है। एक-दो बार मौका मिला है, लेकिन वे सफल नहीं हुए हैं। अब उनको कम मौका दिए जाने पर उनके कोच ने बयान दिया है। संजू सैमसन को बचपन से ही कोचिंग देते आ रहे बीजू जॉर्ज ने वो कारण भी बताया है कि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत को ज्यादा मौका भारतीय टीम में क्यों मिल रहा है। संजू सैमसन ने साल 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। उस समय एमएस धौनी टीम का हिस्सा नहीं थे। नंबर 7 पर खेलते हुए सैमसन 24 गेंदों में 19 रन बना पाए थे और भारतीय टीम वो मैच हार गई थी। केरल के इस क्रिकेटर को उसी समय टीम से ड्रॉप कर दिया और फिर 2019 के आखिर में फिर से टीम में शामिल किया गया, क्योंकि उन्होंने लगातार घरेलू क्रिकेट और आइपीएल में अच्छा खेला था। 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में संजू सैमसन को टीम में चुना तो गया, लेकिन चयनकर्ताओं की पहली पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रिषभ पंत थे। 3 मैचों की सीरीज में उनको एक भी मौका नहीं मिला। इसके बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई वनडे सीरीज से उनको बाहर कर दिया, जिसके लिए चयनकर्ताओं की आलोचना हुई, लेकिन फिर से श्रीलंका के खिलाफ उनको टीम में शामिल किया गया। एक मैच खेले, लेकिन 6 रन बना सके। वहीं, जब भारतीय टीम न्यूजीलैंड के दौरे पर गई थी तो संजू को टी20 टीम में चुना गया जहां वे दो मैच खेल और फ्लॉप रहे, लेकिन पंत को ज्यादा मौके मिलने पर कोच बीजू जॉर्ज ने टीओआइ से बात करते हुए कहा, यदि आप मुझसे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पूछते हैं जो संजू का करीबी है, तो मैं कहूंगा कि उसे और मौके मिलने चाहिए, लेकिन अगर आप भारतीय टीम के नज़रिए से देखें - तो वे रिषभ पंत को इतने मौके क्यों दे रहे हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा, सबसे पहले वह(पंत) बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जाहिर है। दूसरा, भारतीय टीम की रणनीति। उनके दिमाग में विश्व कप हो सकता है, जहां वे एक ऐसी टीम के खिलाफ आ सकते हैं, जिसे क्वालिटी लेफ्ट-आर्म स्पिनर या लेग स्पिनर, या लेफ्ट-आर्म फास्ट बॉलर मिल जाए और उस समय पंत उपयोगी होंगे। ये मेरा विचार है। यह निर्णय लेने के लिए टीम, कप्तान और कोच पर निर्भर है। मुख्य चयनकर्ता को यह तय करना चाहिए कि विरोधी टीम के खिलाफ सबसे उपयुक्त कौन है - पंत या संजू? मुझे नहीं लगता कि किसी के साथ यह जानबूझकर किया जा रहा है।

हार्दिक बने बच्चे के पिता, शेयर की बच्चे की प्यारी सी तस्वीर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के घर नन्हा मेहमान आया है। वो प्यारे से बच्चे के पिता बने हैं। हार्दिक ने अपनी इस खुशी को सोशल मीडिया पर चाहने वालों के साथ साझा किया। ऑलराउंडर की मंगेतर नताशा स्टेन्कोविक ने गुरुवार को एक बच्चे को जन्म दिया जिसके साथ अपनी तस्वीर हार्दिक ने शेयर की है। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर गुरुवार के एक बच्चे के पिता बने। उनकी मंगेतर नताशा के गर्भवती होने की खबर भी उन्होंने सोशल मीडिया पर ही दी थी। इस साल पहली जनवरी को हार्दिक ने मॉडल नताशा से फिल्मी अंदाज में सगाई की थी। अपने इंस्टाग्राम पर टीम इंडिया के इस ऑलराउंडर ने नवजात की पहली झलक दिखाई। उन्होंने बहुत ही प्यारी की तस्वीर शेयर की जिसमें उनके बेटे की कोमल अंगुलियों को उन्होंने अपने हाथ में पकड़ रखा है। हार्दिक बच्चे के जन्म से ठीक पहले पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी का जन्मदिन मनाने रांची भी गए थे। इस दौरान उनकी मंगेतर भी उनके साथ नजर आई थी। सोशल मीडिया पर हार्दिक लगातार नताशा के साथ तस्वीरें शेयर करते रहते थे। उन्होंने मंगेतर के बेबी बंप की भी कई तस्वीरें फैंस के साथ साझा की थी।

रोहित-मयंक को आकाश चोपड़ा ने टेस्ट की दूसरी सबसे बेस्ट ओपनिंग जोड़ी बताई

पहले नंबर पर इन्हें रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर व कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने रोहित शर्मा व मयंक अग्रवाल की जोड़ी को मौजूदा वक्त में टेस्ट क्रिकेट में दूसरी बेस्ट ओपनिंग जोड़ी करार दिया। उन्होंने पिछले एक से दो साल के प्रदर्शन के आधार पर ये चयन किया है। आकाश चोपड़ा ने यूट्यूब चैनल पर टेस्ट क्रिकेट में ओपनर बल्लेबाज की भूमिका को लेकर अपनी राय देते हुए कहा कि अब टेस्ट ओपनर्स का स्तर घटा है।

उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में कुछ सफल ओपनर बल्लेबाजों की भी बात की। उन्होंने कहा कि एक समय था जब टेस्ट क्रिकेट एक से बढ़कर एक बेहतरीन ओपनिंग पेयर्स थे। इनमें मैथ्यू हेडन-जस्टिन लैंगर, गौतम गंभीर-वीरेंद्र सहवाग, एलिएस्टर कुक-एंड्रयू स्ट्रॉस, ग्रीम स्मिथ-हर्शल गिब्स, डेसमंड हेंस-गार्डन ग्रीनिज शामिल थे। आकाश ने कहा कि इस वक्त टेस्ट क्रिकेट के ओपनर बल्लेबाज स्विंग होती गेंद से सामने संघर्ष करते नजर आते हैं। नई गेंद से गेंदबाज इन बल्लेबाजों पर आक्रमण करते हैं, लेकिन उनसे पास इसका कोई जवाब नहीं होता है। हालांकि उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ओपनर बल्लेबाज रोरी बर्न्स और डोम सिब्ले के बारे में कहा कि उनपर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। आकाश चोपड़ा ने साउथ अफ्रीका के टेस्ट ओपनर एडिन मार्करम और डीन एल्गर के बारे में कहा कि एल्गर ने भारत में कुछ रन बनाए हैं, लेकिन इस जोड़ी का औसत 12.53 का है जो बहुत ही खराब है। इनका बेस्ट स्कोर 56 का रहा है। मार्करम का अपना औसत 25.6 का है और एल्गर का 29.3 का। जाहिर सी बात है जब उनका अपना बल्लेबाजी औसत कम है तो साझेदारी का औसत भी कम ही होगा। आकाश चोपड़ा ने न्यूजीलैंड टेस्ट टीम की ओपनिंग जोड़ी टॉम लाथम और टॉम ब्लंडैल को मौजूदा समय का बेस्ट जोड़ी करार दिया। उन्होंने बताया कि टेस्ट में इन दोनों की औसत 47.14 का है और अपने घरेलू मैदान पर भी दोनों ने खूब रन बनाए हैं। टेस्ट में लाथम कै औसत 52.9 का है जबकि टॉम का 41.3 का जो काफी अच्छा है। आकाश ने कहा कि इन दोनों को मैंने मुश्किल हालात वाली जगहों पर भी रन बनाते देखा है और इसी वजह से मैंने इन्हें पहले स्थान पर रखा है।

विराट कोहली-अनुष्का शर्मा ने की असम और बिहार में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद, दिया योगदान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है। देश में ये महामारी चरम पर है। 16 लाख से ज्यादा लोग अब तक इसकी चपेट में आ चुके हैं, जिनमें से 35 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। महामारी के साथ-साथ बिहार और असम जैसे राज्यों को एक और मुसीबत ने घेर लिया है। यहां बाढ़ के कारण लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। असम में 130 से ज्यादा लोगों की मौत बाढ़ के कारण हो गई है, जबकि 17 लाख लोग इस राज्य में बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। वहीं, बिहार में लगभग 40 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इस बीच असम और बिहार के लोगों की मदद के लिए भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा आगे आए हैं। हालांकि, विराट-अनुष्का ने इस बात का खुलासा नहीं किया है कि उन्होंने कितनी मदद की है। इस कठिन समय में इन दोनों राज्यों की मदद के लिए कई संगठन आगे आए हैं। कप्तान विराट कोहली और उनकी बॉलीवुड एक्ट्रेस पत्नी अनुष्का शर्मा ने तीन ऐसे संगठनों के माध्यम से लोगों की मदद करने का वादा किया है। यह पहली बार नहीं है जब इस पावर कपल ने इस साल प्रभावितों के समर्थन में हाथ आगे बढ़ाया है।

इससे पहले वे कोरोना वायरस महामारी के लिए पीएम केयर्स और महाराष्ट्र सीएम रिलीफ फंड में पैसे जमा करा चुके हैं। अब विराट-अनुष्का ने रैपिड रिस्पांस एक्शन ऐड और गूंज संगठन की मदद करने का फैसला किया है। विराट कोहली ने ट्वीट कर बताया है कि वे बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं और आप भी जितना हो सके उतनी मदद करिए। विराट ने लिखा है, ऐसे समय पर जब हमारा देश कोरोना वायरस महामारी से लड़ रहा है, उसी समय असम और बिहार में लोग भीषण बाढ़ के कारण पीड़ित हैं। विराट-अनुष्का ने संयुक्त बयान में कहा है, असम और बिहार में आई बाढ़ ने इतने सारे जीवन और आजीविकाओं को प्रभावित किया है। हम असम और बिहार में लोगों के लिए प्रार्थना करना जारी रखते हैं, तो मैंने और अनुष्का ने भी बाढ़ राहत और कल्याण में विश्वसनीय काम करने वाले इन तीन संगठनों को समर्थन देकर उन लोगों की मदद करने का संकल्प लिया है। यदि यह आपके साथ प्रतिध्वनित होता है, तो कृपया इन संगठनों के माध्यम से इन राज्यों का समर्थन करने के लिए आगे आएं। जहां तक विराट कोहली के मैदान पर लौटने का सवाल है तो वह अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ जल्द ही इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के लिए यूएई रवाना होंगे। इस बार कोरोना वायरस महामारी की वजह से आइपीएल को बीसीसीआइ ने यूएई में कराने का फैसला किया है, जिसकी शुरुआत 19 सितंबर से हो रही है।

सुशांत-अंकिता की चार साल पहले वाली पोस्ट हुई वायरल

जब एक्ट्रेस ने कहा-कौन तुझे यूं प्यार करेगा...

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या को लेकर आये दिन हैरान कर देने वाले खुलासे हो रहे हैं। अब जहां एक और सुशांत के पिता ने रिया चक्रवर्ती के ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं ,वहीं दूसरी ओर पटना पुलिस की एक टीम को जांच के लिए मुंबई रवाना किया गया है। इसके अलावा लोग तो लगातार सुशांत आत्महत्या को लेकर सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। खैर,आप शायद इस बात से भी वाकिफ होंगे कि रिया चक्रवर्ती के साथ रिलेशन से पहले सुशांत टीवी की मशहूर अदाकारा अंकिता लोखंडे को डेट करते थे। हाल ही में अंकिता लोखंडे और सुशांत सिंह राजपूत की एक तस्वीर जमकर वायरल हो रही है,दरअसल इस तस्वीर में अंकिता ने सुशांत से अपने प्यार का इजहार किया था कि कोई उन्हें उतना प्यार नहीं कर सकता जितना वो करती हैं। सुशांत और अपनी बेहद प्यारी तस्वीर पोस्ट करते हुए अंकिता लोखंडे ने लिखा था कि श्कौन तुझे यूं प्यार करेगा जैसे मैं करती हूं गुग्गा, मैं तुमसे बहुत-बहुत प्यार करती हूं बेबी। दरअसल अंकिता ने ये फोटो 28 फरवरी 2016 को अंकिता ने अपने ट्विटर अकाउंट से पोस्ट की थी। वैसे इस बात में कोई दोराय नहीं सुशांत और अंकिता लोखंडे की जोड़ी ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही जगह हिट थी और दोनों काफी लम्बे समय तक रिलेशनशिप में रहे। हालांकि फिर दोनों के रिश्ते में कुछ सही नहीं चला और ये कपल एक-दूसरे से अलग हो गया। इतना ही नहीं सुशांत से अलग होने के बाद अंकिता कई बार काफी दुखी होती नजर आईं हैं। मालूम हो कि अंकिता और सुशांत ने टीवी सीरियल श्पवित्र रिश्ताश् में साथ काम किया था और तब खबर यह भी थी दोनों जल्दी ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इसके बाद दोनों के बीच इतनी दूरियां एक दम से क्यों पैदा हुई इस बारे में किसी को कोई खबर नहीं है, लेकिन हां सुशांत की मौत के बाद भी अंकिता, सुशांत के परिवार से मिलने गईं थीं। वहीं पटना पुलिस से पूछताछ के दौरान अंकिता ने बताया है कि मणिकर्णिका फिल्म के लिए बधाई देने के बाद मेरी सुशांत से बात हुई थी। इस बीच सुशांत काफी इमोशनल नजर आये और उन्होंने अंकिता को बताया कि वह रिया के साथ रिलेशनशिप में बहुत दुखी हो गए हैं और वह इसे खत्म करना चाहते हैं। इसके अलावा सुशांत ने यह भी बताया था कि रिया उन्हें काफी परेशान कर रही हैं।

बॉलीवुड में विवेक ओबेरॉय की फिल्म से श्वेता तिवारी की बेटी पलक करने जा रही है डेब्यू

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता सुरेश ओबेरॉय के बेटे विवेक ओबेरॉय ने कुछ दिन पहले ही ऐलान किया था कि वह फिल्म निर्माता बनने जा रहे हैं। अब उसी सिलसिले में यह खबर सामने आ रही है कि फिल्म में पहले कलाकार को साइन कर लिया गया है। बता दें कि टीवी इंडस्ट्री की फेमस बहु श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अपना फिल्मी कैरियर शुरू करने जा रही हैं। विवेक ओबेरॉय की फिल्म रोजी में डेब्यू पलक तिवारी कर रही हैं और फिल्म के निर्देशक विशाल मिश्रा हैं। विवेक ओबेरॉय ने ऐलान किया है कि वह मशहूर फिल्म निर्माता प्रेरणा अरोड़ा के साथ मिलकर ऐसी फिल्में बनाएंगे। यह फिल्में पारलौकिक शक्तियों या रहस्यों पर आधारित होंगी। इस सीरीज की फिल्मों के नाम में से एक इति है और उसमें सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन को विवेक ने साइन किया है। इस सीरीज की दूसरी फिल्म रोजी की मुख्य कलाकार का नाम बुधवार को बताया गया। इस फिल्म की कहानी गुरुग्राम में चलने वाले कॉल सेंटर्स के बीच सत्य घटना पर आधारित है और इसे रहस्य और रोमांच से भरा गया है। खबरों के अनुसार पलक तिवारी फिल्म में कॉलसेंटर गर्ल का किरदार निभाएंगी। अभिनेता आफ्ताब शिवदासानी के साथ भी प्रेरणा अरोड़ा एक सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म बनाने की तैयारी कर रही हैं। धुंध इस फिल्म का नाम बताया जा रहा है और इसमें दीपक और प्रेरणा के साथ कई लोग दिमाग और पैसा लगा रहे हैं। इसका पोस्टर मंगलवार को जारी किया गया और उसके अनुसार इसमें सात लोग निर्माता के तौर परअब तक शामिल हैं।सोशल मीडिया पर पलक तिवारी बहुत एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और वीडियो अपनी शेयर करती रहती हैं। फैन फॉलोइंग भी पलक तिवारी की सोशल मीडिया पर 'यादा है। उनकी पोस्ट को बहुत पसंद उनके फैंस करते हैं।

सुशांत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा ने तोड़े कई रिकॉर्ड

थिएटर पर रिलीज होने पर होती ऐसी शानदार ओपनिंग

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत हुए करीब डेढ़ महीना हो गया है,लेकिन फैन्स अभी भी उनकी अचानक आत्महत्या कर लेने को लेकर काफी इमोशनल है। ऐसा इसलिए हाल ही में उनकी आखिरी फिल्म दिल बेचारा के डेटा से यह साबित हो गया है। जी हां भले ही फिल्म को डि'नी प्लस हॉटस्टार पर ऑनलाइन रिलीज किया गया है,लेकिन इंडिपेंडेंट ट्रैंकिंग फर्म का कहना है कि यह फिल्म रिलीज होने के बाद 9 करोड़ 50 लाख लोगों ने केवल 24 घंटे के अंदर देखी है। अगर ऐसा है तो यह अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग होती। एक रिपोर्ट की मानें तो ओमेक्स मीडिया का कहना है कि सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा को मशहूर वेब सीरीज श्गेम ऑफ थ्रोन्सश् से भी 'यादा बार देखा गया है। ये आलम तब है जब गेम ऑफ थ्रोन्स का पहले से पहले से फैन बेस था जबकि दिल बेचारा को किसी तरह प्रमोट नहीं किया गया था। वैसे अब इतना बड़ा आंकड़ा देखने के बाद कहा जा सकता है कि सुशांत के फैन्स इसे एक साथ देखने का फैसला किया होगा। वैसे इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है यदि यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होती तो अगर औसतन 100 रुपये की भी टिकट मानी जाए तो इसका बिजनस की ओपनिंग डे पर 950 करोड़ रुपये का होता। जबकि पीवीआर सिनेमा का एवरेज टिकट रेट 207 रुपये है। अगर इस हिसाब से देखा जाए तो बॉक्स ऑफिस पर दिल बेचारा का ओपनिंग डे 2 हजार करोड़ रुपये के आसपास का होता। मालूम हो कि सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा ऑनलाइन रिलीज की गई है। इस बीच खास बात यह है एक्टर की इस फिल्म को नॉन सब्सक्राइबर भी देख सकते हैं। यानी फिल्म हर किसी के लिए फ्री ऑनलाइन देख सकता है। फिल्म में सुशांत के साथ संजना सांघी के साथ जबरजस्त केमिस्ट्री देखने को मिली है।

संजय दत्त का केजीएफ2 से फर्स्ट लुक हुआ आउट,खूंखार अवतार में नजर आये एक्टर

साउथ की जबरदस्त फिल्मों में से एक रही केजीएफ चौप्टर 1 जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला था। इस फिल्म की एक्शन से लेकर कहानी तक सब कुछ काफी शानदार था। इसके बाद अब फिल्म का दूसरा पार्ट भी रिलीज किया जाने वाला है,ऐसे में अब एक-एक कर केजीएफ चौप्टर 2 के किरदारों के लुक रिलीज किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में संजू बाबा का एक पोस्टर जारी कर दिया गया है,जिसमें वो बेहद खतरनाक लुक में नजर आ रहे हैं। संजय दत्त फिल्म केजीएफ 2 में अधीरा के रोल में दिखाई देंगे। इस फिल्म में एक्टर मुख्य विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही फिल्म में संजय एक खतरनाक शख्स के रूप में लोगों में अपना खौफ फैलाने का काम करेंगे। वैसे फिल्म के पोस्टर में उनका ऐसा अवतार देखने के बाद यह तय हो गया है कि संजय दत्त एक बेहद खतरनाक योद्धा बने हैं। इसके अलावा पोस्टर में उनकी लंबी दाढ़ी और हाथों में तलवार लुक और 'यादा दमदार दिख रहा है। बता दें कि संजय के फर्स्ट लुक को उनके जन्मदिन के मौके पर रिलीज किया गया है,जिस वजह से एक्टर काफी खुश हैं। अब उन्होंने ट्वीट कर इस खास गिफ्ट के लिए पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया है। संजय ने पोस्ट करके लिखा इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। इससे बेहतर बर्थडे गिफ्ट और क्या हो सकता था,शुक्रिया। वैसे कुछ वक्त पहले संजय दत्त ने एक इंटरव्यू में होने किरदार के बारे में सही तरह से बताया था,इस दौरान उन्होंने हॉलीवुड किरदार थानोस से अधीरा की तुलना की थी और बताया था कि ये काफी खतरनाक होने वाला है। बता दें कि इस बार भी यश फिल्म में लीड रोल में दिखाई देंगे,परन्तु इस बार उनका लुक और वो क्या अलग करेंगे इसका सभी को बेसब्री से इंतजार है।

कंगना रनौत ने रिया चक्रवर्ती-महेश भट्ट पर गंभीर आरोप लगाते हुए फ्रॉड बताया, किए ये ट्वीट

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन उनकी मौत की खबर से हर कोई अभी तक सदमे में है। डेढ़ महीने से 'यादा समय सुशांत की मौत को हो गया है और अभी तक यह साफनहीं हुआ है कि सुशांत ने इतना बड़ा कदम क्यों उठा लिया। इसी सिलसिले में मंगलवार को पटना के राजीवनगर थाना में सुशांत के पिता केके सिंह ने रिया चक्रवर्ती के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी है। रिया के खिलाफ इस एफआईआर में केके सिंह ने गंभीर आरोप बेटे की मौत के लगाए हैं। के के सिंह ने आरोपों में कहा है कि सुशांत को आत्महत्या करने के लिए रिया ने ही मजबूर किया। इसके बाद रिया चक्रवर्ती और महेश भट्ट पर कंगना रनौत ने भी निशाना साधा।

दरअसल सुशांत सिंह राजपूत और रिया चक्रवर्ती एक दूसरे को डेट लंबे समय से कर रहे थे। इतना ही नहीं रिया सुशांत के साथ उनके घर में मौत से कुछ दिन पहले तक रह रही थीं। लेकिन रिया गहने, पैसे, बैंक कार्ड्स, सुशांत की मेडिकल रिपोर्ट आदि सुशांत की मौत के कुछ दिन पहले लेकर चली गयी। अब इन्हीं आरोपों को लेकर रिया पर तीखा हमला कंगना ने किया है। कंगना ने रिया के अलावा महेश भट्ट पर भी तंज कसा है। कंगना रनौत की टीम ने ट्विटर पर ट्वीट करते हुए कहा कि 15 करोड़ रुपय सुशांत के खाते से गायब हैं। पिछले दिनों सुशांत केस में महेश भट्ट से पूछताछ मुंबई पुलिस ने की और उन्होंने कहा कि अपना गुरु उन्हें रिया मानती हैं। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है कि एक से दूसरे में फ्रॉडगिरी पास हुई है। सुशांत के फैंस कंगना के इस ट्वीट पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और इस केस में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कुछ दिन पहले बयान दिया था कि, अबतक ×7 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं, एक-दो दिन में महेश भट्ट भी अपना बयान दर्ज कराएंगे। कंगना रनौत को भी बयान रिकॉर्ड कराने के लिए समन भेजा गया है।

करण जौहर के मैनेजर को भी बुलाया गया है, अगर जरूरत पड़ी तो करण को भी बुलाया जाएगा। कंगना ने अनिल देशमुख के इस बयान पर कहा कि आखिर करण जौहर की बजाए उनके मैनेजर को समन क्यों भेजा। कंगना की टीम ने ट्वीट करते हुए कहा था, समन जारी करने में भी मुंबई पुलिस खुलेआम इतनी बेशर्मी किस तरह दिखा सकती है? कंगना को समन भेजा गया, ना कि उसकी मैनेजर को, लेकिन मुख्यमंत्री के बेटे के सबसे अ'छे दोस्त के मैनेजर पूछताछ के लिए बुलाया गया है, क्यों? साहेब को परेशानी ना हो इसलिए?बता दें कि अभिनेत्री दीपिका पादुकोण एक्टिंग के साथ डिप्रेशन की एक संस्था भी चलाती हैं जिसमें डिप्रेशन से ग्रसित लोगों का इलाज होता है। इस संस्था के जरिए डिप्रेशन से लोगों को वह उभरने का काम कर रही हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट भी दीपिका इसको लेकर शेयर करती हैं। दीपिका ने इसको लेकर हाल ही में एक पोस्ट धरे की थी। दीपिका ने अपनी इस पोस्ट में लिखा था कि, मेरे बाद दोहराएं। इसके बाद दीपिका पादुकोण पर कंगना रनौत की टीम ने ट्वीट लिखा, मुंबई पुलिस के बारे में बड़ा खुलासा हुआ है। सुशांत के परिवार ने कहा कि वह उन पर विश्वास नहीं कर सकते हैं। श्मेरे बाद दोहराएंश् गैंग पर भी उनके परिवार को भरोसा नहीं है। डिप्रेशन का धंधा चलाने वालों को यह बात ध्यान रखनी चाहिए। दीपिका पादुकोण को भी टैग कंगना रनौत की टीम ने अपने इस ट्वीट में किया।

संस्कारी बहु के बाद अब नागिन 5 में इ'छाधारी नागिन बन हिना तहलका मचाने को हैं तैयार

टीवी के मशहूर सीरियल में से एक श्नागिनश् के सभी सीजन काफी 'यादा लोकप्रिय रहे हैं। इतना ही नहीं दार्शकों ने भी हर बार इस शो को खूब प्यार दिया है। खैर,अब जल्द ही लोगों का सबसे पसंदीदा शो श्नागिनश् का 5वां सीजन शुरू होने वाला है। वैसे अब लोग अब इस बात को लेकर काफी 'यादा उत्साहित हैं कि हिना खान और सुरभि चंदना को कब नागिन के अवतार में देखने को मिलेगा। वहीं एक वेब पोर्टल के मुताबिक हिना खान गुरुवार यानी ×0 जुलाई से नागिन 5 की शूटिंग करना शुरू करने वाली हैं। बता दें कि हिना खान के साथ टीवी के मशहूर एक्टर मोहित मल्होत्रा और धीरज धूपर दोनों ही अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इस बीच जरूरी बात यह है हिना खान कुछ ही एपिसोड का हिस्सा होने वाली हैं। क्योंकि वो पहले से ही फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनना चाहती थीं, लेकिन डेट्स की परेशानी कि वजह से ऐसा नहीं कर पाई। नागिन 5 का प्रोमो वीडियो आ गया है और इसमें हिना खान ही नई नागिन बनी हैं। प्रोमो वीडियो में हिना का अंदाज जितना कातिलाना है, उतना ही जहरीला भी। वीडियो शेयर करते हुए कलर्स टीवी ने इंस्टाग्राम पर कैप्शन दिया है, खुलेंगे बरसों पुराने राज और सामने आएगा सबसे बलशाली नागिन का चेहरा। हाल ही में नागिन 4 के फिनाले के लिए सुरभि 'योति, अदा खान को शूट करने के बुलाया और यह बात निश्चित है कि ये फिनाले को जबरदस्त बनाने में मदद करेगा। वहीं निया शर्मा और विजयेंद्र कुमेरिया नागिन 4 भी इस फिनाले का हिस्सा होंगे।वहीं रश्मि देसाई ने हाल ही में इस शो को में हिस्सा लिया।

राजपूत परिवार के वकील ने खोले कई राज

बोले-परिवार पर दबाव डाल रही मुंबई पुलिस

फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का निधन हुए करीब डेढ़ महीना होने को है,मगर बदनसीबी अभी तक मुंबई पुलिस के हाथ कोई सबूत नहीं लग पाया है। अब बीते शनिवार को दिवंगत सुशांत के पिता केके सिंह ने रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है और इसमें कई सारे खुलासे भी किए गए हैं। अब इसके बाद सुशांत के परिवार के वकील विकास सिंह ने मुंबई पुलिस पर भी कई गंभीर आरोप लगाए हैं। हाल ही में एक राजपूत परिवार के वकील विकास सिंह ने एक चौनल से बात की जिसके बाद उन्होंने मुंबई पुलिस को सवालों के घेरे में जप्त दिया है। दरअसल विकास ने कहा रविवार यानी 26 जुलाई को शिकायत दर्ज कराने के बाद अब तक भी रिया के खिलाफकोई एक्शन क्यों नहीं लिया गया है और क्यों इसमें देरी की जा रही है। साथ ही विकास का कहना है मुंबई पुलिस इस केस में बहुत 'यादा धीरे जांच कर रही है और उसकी जांच का एंगल भी केस के मुताबिक कुछ ठीक नहीं है। इतना ही नहीं विकास सिंह ने यह भी कहा कि मुंबई पुलिस सुशांत सिंह राजपूत के परिवार पर दबाव बना रही है और मुंबई के प्रोडक्शन हाउसेस के नाम लेने को कह रही है। इसके साथ ही मुंबई पुलिस सुशांत के परिवार पर बडे फिल्म निर्माताओं का नाम लेने के लिए दबाव बनाती रही है। जबकि आरोपी रिया चक्रवर्ती और उनका परिवार अभी भी पुलिस की पहुंच से दूर हैं। आगे वो कहते हैं हमें लगा था कि थ्स् होते ही तुरंत रिया चक्रवर्ती की गिरफ्तारी होगी पर ऐसा नहीं हुआ।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशन कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।